हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, सोमवार, 22 दिसंबर 2025

10 दिल्ली-रेवाड़ी पैसेंजर को सादुलपुर के रास्ते हिसार...

10 गांव पाली में क्रिकेट महाकुंभ 31 दिसम्बर से...

नारनौल का रात्रि तापमान 5.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज

जिले पर ठंड का डबल अटैक: धुंध व कोहरे के साथ प्रदेश में सबसे ज्यादा ठंडा रहा नारनौल, कोहरे ने लगाए वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में धीरे-धीरे ठंड अपने तेवरों को दिखाना शुरू कर दिया है। हरियाणा एनसीआर दिल्ली के सीमित हिस्से में धुंध कोहरा देखने को मिल रहा था, जबकि रविवार को सम्पूर्ण हरियाणा एनसीआर दिल्ली को धुंध-कोहरा ने अपने आगोश में ले लिया।

हालांकि धुंध व कोहरा से हरियाणा एनसीआर के अधिकतर स्थानों पर रात्रि तापमान में हल्की बढ़त, जबकि दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिली। कोहरे के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हुआ तथा यातायात के साधन रेंगने को मजबूर रहे। धुंध कोहरा कहीं कम तो कहीं सघन बना रहा, साथ ही कुछ स्थानों पर रात्रि तापमान में भी गिरावट देखने को मिली। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में सबसे ज्यादा ठंडी रात नारनौल की 5.2 डिग्री सेल्सियस, जबकि दूसरे स्थान पर भिवानी का रात्रि तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी मौसम प्रणाली से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम आमतौर पर शुष्क, लेकिन गतिशीलबना रहेगा। बादलवाही व हवाएं शांत रहने से सुबह धुंध व कोहरा देखने को मिलेगा। 24 दिसंबर से उत्तरी बर्फिली हवाओं के कारण सम्पूर्ण हरियाणा एनसीआर दिल्ली में हाड़कंपा देने वाली सूखी ठंड शीतलहर और पाला जमने की सम्भावना बन रही है। इसके 29 दिसंबर को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम में बदलाव व तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिलेगा। रविवार को जिले में सीजन का पहला कोहरा देखने को मिला।

अलसुबह से दोपहर से पहले तक कोहरा छाया रहा। जिससे आमजन को कठिनाई महसूस हुई। इसके साथ ही दिन व रात के तापमान में गिरावट के साथ ठंड का डबल अटैक देखने को मिला। नारनौल का रात्रि तापमान हरियाणा एनसीआर दिल्ली में सबसे कम 5.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। जिले में नारनौल का दिन और रात का तापमान 17.5 व 5.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

नारनौल। सीजन में पहली बार पड़ा कोहरा। फोटो : हरिभूमि

बादलों के साथ धुंध और कोहरा देखने को मिला

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम आमतौर पर शुष्क, लेकिन गतिशील व परिवर्तनशील बना हुआ है। बार बार कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम में बदलाव और तापमान में उतार चढ़ाव भी देखने को मिल रहा है। वर्तमान में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में बादलों की आवाजाही और लगातार दक्षिणी पूर्वी नमी वाली हवाओं से सम्पूर्ण इलाके में नमी व आद्रता में बढ़ोतरी तथा शांत हवाओं से ऊपरी सतह के बादलों के साथ धुंध व कोहरा देखने को मिला।

खबर संक्षेप

बिजली बिल के लिए समाधान शिविर कल

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु 23 दिसंबर को विशेष बिजली अदालत एवं बिजली बिल समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन बिजली बोर्ड के सर्कल कार्यालय सिंघाना रोड में प्रातः 11 बजे से दोपहर एक बजे तक किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि उपभोक्ता इस अवसर पर अपनी बिजली कनेक्शन से जुड़ी शिकायतें व बिल संबंधी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे।

श्रीश्याम बाबा का जागरण आज

नारनौल। श्री बांके बिहारी सेवा समिति के तत्वावधान में सोमवार को श्रीश्याम बाबा का भव्य जागरण हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में सायं सवा सात बजे से प्रभु इच्छा तक किया जाएगा। जिसमें मुख्य यजमान किरण सोनी सपरिवार होंगे। संस्था संरक्षक शिवकुमार ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री बांके बिहारी भगवान करेंगे।

सेहलंग में रक्तदान शिविर कल

कनीना। खंड के गांव सेहलंग में 23 दिसंबर को चौथे स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। गौरव की पुण्यतिथि पर अमर सिंह धर्मशाला में होने वाले इस समारोह में बाढसा एम्स के चिकित्सक हिस्सा लेंगे। समारोह में मुख्य अतिथि कुलदीप यादव होंगे। विशिष्ठ अतिथि के रूप में जिला पार्षद प्रमुख राकेश कुमार, पंचायत समिति चेयरमैन जेपी यादव व बैंक शाखा प्रबंधक रमेश शर्मा होंगे।

सीनियर सिटीजन के लिए विशेष कैंप आज

कनीना। कनीना में एलिमको व रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से सोमवार को जनशक्ति विकास संगठन के सहयोग से बुजुर्गों व दिव्यांगजनों का कैंप लगाया जाएगा। जिसमें 40 से से 80 फीसदी प्रमाण पत्र वाले दिव्यांग व्यक्ति इलेक्ट्रिक साइकिल के लिए रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे। विकास संगठन के प्रधान दीप वशिष्ठ ने बताया कि दिव्यांग प्रमाण पत्र व यूडीआईड़ी कार्ड होना अनिवार्य है।

3 बजे हुडा सेक्टर एरिया में फटा इंसुलेटर, 10 बजे तक किया गया ठीक

इंसुलेटर फटने से सात घंटे बिजली रही बाधित, आधा शहर रहा परेशान

> इंसुलेटर फटने के पीछे बिजली निगम के विशेषज्ञ इंजीनियर बीती रात को इलाके में इस सीजन की पहली बार धुंध गिरने से उत्पन्न हुई भारी नमी को मान रहे हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

महेंद्रगढ़ रोड पर बने पॉवर हाउस एवं निजामपुर इंडस्ट्री एरिया में बने सब स्टेशन के मध्य हुडा सेक्टर एरिया में इंसुलेटर फटने से निजामपुर रोड समेत विभिन्न एरिया की बिजली आपूर्ति करीब सात घंटे तक ठप्प रही। इस कारण लोगों को प्रातःकाल की दैनिक क्रियाओं को करने में जहां परेशानी हुई, वहीं सवेरे के समय होने वाली जलापूर्ति भी प्रभावित हुई। सबसे ज्यादा महिलाओं को हुई, जो सवेरे जल्दी उठकर घर का कामकाज निपटाती हैं। इससे स्कूल जाने वाले बच्चों को भी दिक्कतें हुई और जल्दी उठकर पढ़ने वाले बच्चों की पढ़ाई भी बाधित हुई। यह इंसुलेटर फटने के पीछे बिजली निगम के विशेषज्ञ इंजीनियर बीती रात को इलाके में इस सीजन की पहली बार धुंध गिरने से उत्पन्न हुई भारी नमी को मान रहे हैं।

जानकारी के अनुसार बीती रात को 33 केवी सब स्टेशन निजामपुर रोड पर बिजली आपूर्ति में भोर के वक्त करीब 3 बजे उस वक्त ब्रेक लग गया, जब लोग सो रहे थे। यह ब्रेक इंसुलेटर फटने से लगा था आर इससे शहर के लगभग आधे से ज्यादा इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। रात करीब तीन बजे अचानक आए इस ब्रेकडाउन के कारण सुबह दस बजे तक करीब सात घंटे तक लोग से जूझते रहे। लाइनों में फॉल्ट आने से लगे इस लंबे बिजली कट के कारण आमजन जीवन पूरी तरह से प्रभावित हो गया और लोगों को अंधेरे में परेशानियों का सामना करना पड़ा। बिजली गुल होने के कारण सुबह की दिनचर्या बुरी तरह से बाधित हो गई। सवेरे के समय जनस्वास्थ्य शहर में घरों में जलापूर्ति करता है और बिजली नहीं होने के कारण करीब आधे शहर के सैकड़ों घरों में पानी की आपूर्ति ठप रही, जिससे लोगों को नहाने, खाना बनाने और अन्य घरेलू कार्यों में परेशानी हुई।

सर्दियों के सीजन में अनेक घरों में नहाने का पानी गर्म करने के लिए बिजली की राड का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन सवेरे बिजली गुल होने की वजह से लोग गर्म पानी करने को तरस गए। बिजली न होने से इन्वर्टर भी जवाब दे गए और मोबाइल चार्ज व बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई सहित कई जरूरी काम प्रभावित हो गए। दुकानदारों और छोटे व्यापारियों को भी नुकसान उठाना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि निजामपुर रोड स्थित इस 33 केवी सब स्टेशन से शहर के सिटी सिक्स सहित कई प्रमुख मोहल्लों को बिजली आपूर्ति होती है। प्रातःकाल को लंबे समय तक सप्लाई बंद रहने से लोगों में बिजली निगम के प्रति नाराजगी देखने को मिली। सुबह होते ही कई लोग सब स्टेशन और बिजली कार्यालय में शिकायत करने पहुंच गए। सिटी-6 क्षेत्र के निवासी मनीष बाबा, नवीन कुमार, एडवोकेट चंद्रप्रकाश आदि ने बताया कि इस इलाके में बिजली से जुड़ी समस्याएं लगातार बनी रहती हैं। लोगों ने मांग की कि निजामपुर रोड और आसपास के इलाकों में बिजली व्यवस्था का सही तरीके से रखरखाव किया जाए, ताकि बार-बार होने वाली कटौती से राहत मिल सके।

नारनौल। निजामपुर इंस्ट्री एरिया। फोटो : हरिभूमि

यह बोले अधिकारी

बिजली निगम के एसडीओ मोहम्मद अजहरुद्दीन ने बताया कि रात को इंसुलेटर फटने से सिस्टम में ब्रेकडाउन हो गया था। सूचना मिलते ही विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मरम्मत कार्य शुरू किया गया। खराब इंसुलेटर को बदलने के बाद सुबह करीब दस बजे बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई।

वहीं पॉवर हाउस संभाल रहे इंजीनियर महेंद्र सिंह यादव एसएसई ने बताया कि बीती रात को क्षेत्र में इस सीजन की पहली धुंध पड़ी थी। भारी मात्रा में धुंध गिरने से नमी बढ़ गई थी और इसी नमी के कारण हुडा सेक्टर एरिया में इंसुलेटर फट गया था। कई बार ऐसी दिक्कतें खड़ी हो जाती हैं, लेकिन यह कुदरती हैं। हालांकि निगम कर्मियों ने समय रहते इस फॉल्ट को ढूंढकर इसकी मरम्मत करने में कामयाबी हासिल की और बाद में बिजली आपूर्ति सुचारु कर दी गई।

नारनौल। पोल बदलने में लगी बिजली निगम की मशीनें। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़ रोड पर पोल बदलते वक्त तोड़ी फाइबर केबल, नेट बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

> बिजली निगम ने पुराने छोटे पोल की जगह नए लंबे खंभे लगाने का अभियान चलाया

रविवार को बिजली निगम ने महेंद्रगढ़ रोड पर आईटीआई के पास पुराने छोटे पोल की जगह नए लंबे खंभे लगाने का अभियान चलाया। इस अभियान के चलते निगम कर्मियों ने खंभों पर लगी इंटरनेट की फाबर केबलों को उखाड़ फैंका, जिस कारण आईटीआई रोड समेत बस स्टैंड एरिया में इंटरनेट पर काम करने वाले लोगों की नेट सेवाएं ठप्प हो गई। इस कारण लोगों को परेशानी से जूझना पड़ा।

बता दें कि निगम आजकल पुराने छोटे साइज के खंभों की जगह नए एवं ऊंचे खंभे लगा रहा है। इस अभियान के तहत रविवार को महेंद्रगढ़ रोड पर आईटीआई के सामने यह कार्य किया गया। बिजली निगम कर्मियों ने मशीनों की मदद से पुराने पोल वहां से हटाए तथा नए पोल खड़े करने शुरू किए। इस कार्य के चलते निगम के पोलों पर लगी इंटरनेट की केबलों का उखाड़ फैंका गया। यह केबलें नाजायज रूप से बिना अनुमति के लगी हुई हैं। जिस कारण निगम कर्मियों ने इन नेट केबलों को उखाड़ फैंकने में कोई हिचक महसूस नहीं की और उन्हें काट फैंका।

इस कारण सवेरे ही नेट सेवाएं ठप हो गई, जो शाम करीब सात बजे तक भी ठीक नहीं हुई। यह अभियान रात को भी चलेगा और सोमवार दिन में भी जारी रहने की संभावना है। इस कारण नेट सेवाओं के बहाल होने की कम ही संभावना है। इससे प्राइवेट फाइबर ऑपरेटरों की परेशानी बढ़ गई है, क्योंकि उन्हें अब दूसरा विकल्प नजर नहीं आ रहा। नेट सेवाएं ठप होने पर वह पंगु बनकर बैठ गए।

बीएसएनएल से जुड़े अधिकारी भी अपने विभाग की नेट सेवाएं सुचारु कराने में नाकाम रहे तथा उनसे जुड़े उपभोक्ताओं के फोन रिंग टोन बजाते रहे।

विधायक व नपा प्रधान ने की सीएम से मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

विधायक कंवर सिंह यादव एवं नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी के द्वारा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से सीएम हाउस में एक मुलाकात की गई। इस दौरान उन्होंने महेंद्रगढ़ शहर के विकास कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की, जिसमें मुख्य रूप से महेंद्रगढ़ शहर को नगर परिषद बनाने, बाईपास रोड बनाने तथा शहर को स्वच्छ, सुन्दर और विकसित करना आदि शामिल रहा, जिनके लिए बजट देने का अनुरोध किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि शहर को अतिक्रमण मुक्त करने की मुहिम तो नगर पालिका द्वारा पहले से ही चलाई जा रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उन्हें आश्वासन दिया कि महेंद्रगढ़ शहर के विकास कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी जाएगी। शहर को सुंदर, स्वच्छ और विकसित करने के लिए जो भी प्रोजेक्ट बनाकर भेजेंगे, उसे तुरंत प्रभाव से पास कर दिया जाएगा और शहर के विकास कार्यों में धन की कमी नहीं रहने दी जाएगी। विधायक कंवर सिंह यादव व नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी द्वारा फूलों के बुक्के भेंट करके मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया गया।

महेंद्रगढ़। मुख्यमंत्री से मुलाकात करते जनप्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि

हार्डवेयर की दुकान व गोदाम से लाखों की चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

मंढाणा-बहरोड़ रोड पर स्थित एक इलेक्ट्रिक हार्डवेयर की दुकान व गोदाम से चोरी का बड़ा मामला सामने आया है। चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर करीब आठ लाख 95 हजार 580 रुपये के बिजली उपकरण व नकदी पर हाथ साफ कर दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में मंढाणा निवासी मनोज यादव ने बताया कि मंढाणा-बहरोड़ रोड पर मकान के साथ गोदाम बना हुआ है। जहां वह इलेक्ट्रिक हार्डवेयर की दुकान चलाता है।

मनोज ने बताया कि 19 दिसंबर की रात करीब आठ बजे वह दुकान व गोदाम को बंद कर अपने दूसरे मकान शिव कॉलोनी चला गया था। अगले दिन 20 दिसंबर की सुबह करीब सात बजे जब वह दुकान व गोदाम को चेक करने पहुंचा, तो मकान का मुख्य द्वार व पीछे का गेट टूटा हुआ मिला। जब उसने अंदर जाकर सामान की जांच की तो दुकान व गोदाम से भारी मात्रा में बिजली का सामान और नकदी गायब थी।

उन्होंने बताया कि चोर 1.0 एमएम तार के 120 बंडल, 1.5 एमएम के 48 बंडल, 2.5 एमएम के 24 बंडल, चार एमएम के 32 बंडल, छह एमएम के आठ बंडल, 0.75 एमएम के 40 बंडल, लाइट रोल के 10 बॉक्स, एलईडी के पांच बॉक्स, एलटी स्विच के दो बॉक्स, 72 पंखे, 40 कुर्सियां और 85 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। इसके अलावा भी अन्य सामान चोरी होने की बात सामने आई है। पीड़ित दुकानदार के अनुसार चोरी हुए सामान की कुल कीमत करीब 895580 रुपये आंकी गई है। घटना के बाद आसपास के दुकानदारों में भी दहशत का माहौल है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

जिले में महसूस किए गए भूकंप के झटके

नारनौल। रोहतक जिले के सांपला के साथ इस्माइला गांव में भूकंप का केंद्र रहा। जिसका असर एनसीआर हरियाणा के साथ जिला महेंद्रगढ़ में भी महसूस किया गया। हालांकि भूकंप केंद्र से नारनौल 129 किलोमीटर दूर स्थित रहा। नारनौल सहित आसपास के गांवों में दोपहर 12:13 बजे के करीब भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 3.2 मेग्नीट्यूड रही। जब भूकंप आया तो आमजन डर गए। लोग मकान व दुकानों से बाहर आ गए। हालांकि इस भूकंप से किसी प्रकार के जनमाल की हानि की कोई खबर नहीं मिली है। भूगोलविद डॉ. चंद्र मोहन ने बताया कि भूकंप का केंद्र जिला रोहतक के सांपला के साथ के गांव इस्माइल में अक्षांश 28.78 व देशांतर 76.73 में रहा है। इस भूकंप की तीव्रता 3.3 मैग्नीट्यूड रही। धरती के अंदर पांच किलोमीटर गहराई रही है। भूकंप से किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि हरियाणा दिल्ली-एनसीआर में आए भूकंप का मुख्य कारण प्लेट टेक्टोनिक्स प्रकिया ही है। पिछले काफी समय से इस क्षेत्र में लगातार भूकंप आ रहे हैं, क्योंकि यह क्षेत्र महेंद्रगढ़ देहरादून फाल्ट लाइन पर स्थित है। महेंद्रगढ़-देहरादून फाल्ट लाइन पर महेंद्रगढ़ जिले से कुछ हिस्सा रेवाड़ी, झज्झर व रोहतक होते हुए पानीपत और इसके बाद उत्तराखंड में देहरादून तक के शहर आते हैं। दिल्ली एनसीआर में पांच फाल्ट लाइन है। इनमें महेंद्रगढ़-देहरादून, दिल्ली-मुरादाबाद, दिल्ली-सरगोधा रिज व दिल्ली-हरिद्वार रिज शामिल है। इन फाल्ट लाइन में ही जमीन की अंदरूनी प्लेट आपस में टकराती है और हलचल पैदा होती है। हालांकि बार बार कमजोर भूकंप आने से लगातार धरती से ऊर्जा विसर्जित होने से बड़े भूकंप की आंशका नहीं बनती।

सुशासन सप्ताह: जिलेभर में कुल 15 स्वास्थ्य शिविरों का किया गया आयोजन

स्वास्थ्य विभाग ने एक ही दिन में 982 नागरिकों की एनसीडी स्क्रीनिंग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सुशासन सप्ताह के दौरान प्रशासन गांवों की ओर अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग ने जिला महेंद्रगढ़ के नागरिकों तक स्वास्थ्य सेवाओं व सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए विशेष सक्रियता दिखाई है। जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। जिसमें न केवल मरीजों का उपचार किया गया, बल्कि डिजिटल इंडिया के तहत महत्वपूर्ण स्वास्थ्य आईडी भी बनाई गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि सुशासन सप्ताह का मुख्य उद्देश्य कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि इस विशेष अभियान के तहत जिलेभर में कुल 15 स्वास्थ्य शिविरों का सफल आयोजन किया गया।

डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि विभाग ने तकनीकी पारदर्शिता और सुलभ सेवा वितरण पर विशेष ध्यान दिया है। गैर संचारी रोगों की रोकथाम के लिए आयोजित विशेष कैंपों में नागरिकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। रिपोर्ट के अनुसार एक ही दिन में 982 मरीजों की एनसीडी स्क्रीनिंग की गई। इसमें मुख्य रूप से ब्लड प्रेशर, शुगर और अन्य जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की जांच की गई, ताकि समय रहते उनका उपचार शुरू किया जा सके। प्रशासनिक सुदृढ़ता का प्रमाण देते हुए डॉ. अशोक कुमार ने साझा किया कि राज्य और केंद्र सरकार के पोर्टल्स पर वर्तमान में विभाग की कोई भी शिकायत लंबित नहीं है। सुशासन सप्ताह के दौरान प्राप्त होने वाली सभी नई शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

नारनौल। स्वास्थ्य जांच करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

ये सेवाएं दी

आयुष्मान भारत: शिविरों के दौरान 39 नये आयुष्मान कार्ड जनरेट किए गए। जिससे ये परिवार अब मुफ्त इलाज की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

आभा आईडी: रिकॉर्ड स्तर पर 117 नागरिकों की आभा आईडी बनाई गई। जिससे उनका मेडिकल रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित हो गया है।

सेवा वितरण: सरल पोर्टल के माध्यम से जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र से संबंधित 34 आवेदनों को मौके पर ही निपटान किया गया।

समय अपनी गति से चलता रहा और वंदना अपने काम की दुनिया में मस्त हो गई। उसकी मेहनत को देखते हुए कंपनी ने उसे सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नियुक्त कर दिया और तब उसकी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर यानि मालिक घोष के बेटे मिलिंद की नजर वंदना पर पड़ी और वह उसकी सूरत और सीरत का कायल हो गया, यानि उसे वंदना से प्रेम हो गया।

मिलिंद की बातें सुन कर वंदना भी भावुक हो कर बोली – 'मिलिंद अगर हमारी शादी होती है तो मैं तुम्हारी आकांक्षाओं पर खरी उतरने की पूरी कोशिश करूंगी, लेकिन मिलिंद ताली कभी एक हाथ से नहीं बजती, इसमें तुम्हें भी मेरी पूरी मदद करनी होगी। मिलिंद मैं शादी के बाद भी काम करूंगी और कम्पनी को और भी ऊंचाइयों पर ला कर दिखाऊँगी।
'हाँ वंदना, मैं अपने कहे से कभी पीछे नहीं हटूँगा, तुम बस शादी के लिए हाँ कर दो'।
हँसते हुए मिलिंद और वंदना बाहर बैठक में आए तो सबने ताली बजा कर उनका स्वागत किया। दोनों तरफ से हाँ हो चुकी थी, अब केवल औपचारिक बातें हो रही थी। डिनर की मेज़ सज गई थी, सबने एक साथ बैठकर खाना खाया और फिर खुशी में मुंह मीठा किया।

कहानी

आशमा कौल

ढाल

खिड़की पर खड़ी वंदना को पता ही नहीं चला कि मीठी हवा ने अचानक आंधी का रूप कब ले लिया और किरकिरी उसकी आँखों में समा गई। उसने तुरंत खिड़की बंद की और बेसिन पर अपनी दुखती आँखों में पानी के छीटें मारने लगी। शीशे में देखा तो दोनों आँखें लाल थी, वैसे भी उसे इसकी आदत हो चुकी थी। मन का हर गुबार वह बाथरूम में ही आकर निकालती थी। वंदना का ब्याह हुए दो वर्ष हो चुके हैं। बचपन में वंदना, घर भर की दुलारी और लाड़ली बेटी बहुत नाज़ों में पली थी, माँ-पिताजी कॉलेज में अधिवक्ता थे तो वंदना भी पढ़ने में होशियार रही।

'वंदू रानी, वंदू रानी कहाँ चली'- कहते हुए माँ वंदना को बाहों में भर लेती और वंदना खिलखिलाते हुए अपनी सहेलियों के साथ खेलने की जिद करती। चुलबुली वंदना अपनी सहेलियों की भी चहेती थी। मुस्कराती और खिलखिलाती वंदना सभी का दिल पल भर में मोह लेती थी। स्कूल पूरा हुआ तो वंदना ने इंजीनियरिंग में दाखिला लिया और चार साल की पूरी मेहनत के बाद एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत हो गई। वंदना के पास उड़ने के लिए अब पूरा आसमान था और वंदना के पंखों में भी बहुत हौंसला था। वह हर दिन जोश से अपने टारगेट पूरे करती तो सबका सम्मान भी पाती। अपनी कंपनी से बेस्ट इंजीनियर का खिताब भी वह कई बार पा चुकी थी। दिन भर की व्यस्तता के बाद जब वंदना और उसके मम्मी-पापा शाम को मिलते तो वह अपनी बिटिया की उपलब्धियां देख सुनकर गर्व से फूले न समाते। डिनर टेबल पर पापा और बेटी के बीच दिन भर की चर्चा चलती। उस दिन भी गपशप चल रही थी जब माँ ने कहा 'वंदना अब मैं तुम्हारा ब्याह करना चाहती हूँ, कोई लड़का तुम्हारी नजर में है तो मुझे बिना झिझके बता दोश'। माँ की बात सुन वंदना अचानक सकते में आ गई – 'माँ आज अचानक आपको मेरे ब्याह का ख्याल कैसे आ गया'।

'जब बेटी बड़ी हो जाती है तब माँ की नींद गायब हो जाती है, तुम नहीं समझोगी'

'पापा देखो, आप ही समझाओ माँ को कि अभी इतनी जल्दी न करे, अभी तो मेरा कैरियर शुरू हुआ है'

'बेटा तुम सही कह रही हो लेकिन माँ भी अपनी जगह सही है। हर चीज़ समय पर अच्छी लगती है और अभी तो हमारी सुंदर गुणवान बेटी के लिए लड़का ढूँढने में भी समय लगेगा, देखो शादी के बाद भी तुम अपनी लग्न से बुलंदियाँ छू सकती हो' – पापा ने कहा तो माँ ने तुरंत तसल्ली देते हुए कहा– " मैंने भी तो शादी के बाद अपनी नौकरी जारी रखी और आज भी पढ़ा रही हूँ, तुम भी आगे अपना पैशन फॉलो करना, चलो अब आराम करो कल फिर सुबह निकलना है'।

मम्मी-पापा को शुभ रात्रि कह कर वंदना अपने कमरे में आकर अपने भविष्य के सुंदर सपने बुनती हुई नींद के आगोश में चली गयी।

समय अपनी गति से चलता रहा और वंदना अपने काम की दुनिया में मस्त हो गई। उसकी मेहनत को देखते हुए कंपनी ने उसे सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नियुक्त कर दिया और तब उसकी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर यानि मालिक घोष के बेटे मिलिंद की नजर वंदना पर पड़ी और वह उसकी सूरत और सीरत का कायल हो गया, यानि उसे वंदना से प्रेम हो गया। वह किसी न किसी बहाने वंदना को अपने कैबिन में बुलाता और उसकी तारीफ करता लेकिन वंदना तो अपने काम की बात करना ही पसंद करती लेकिन बड़े बाप के जिद्दी बेटे ने यह तय कर लिया था कि अगर वह ब्याह करेगा तो वंदना से ही करेगा।

मिलिंद ने अपने पापा से इस बारे में बात की तो घोष साहब खुश हो गए क्योंकि उन्हे वंदना हर तरह से बहुत पसंद थी। घोष साहब ने वंदना को बुला कर उससे भी सलाह ली तो उसने शर्माते हुए अपने पापा, अनिल शर्मा का नंबर दे दिया। अगले ही दिन घोष साहब और मिलिंद वंदना के घर में आमंत्रित थे।

'आईए आईए घोष साहब आपका स्वागत है हमारे गरीबखाने में' – शर्मा जी ने मेहमानों का बाहें खोल कर स्वागत किया और अपनी पत्नी को आवाज लगाई। घोष साहब और मिलिंद ड्रॉइंग रूम में बैठे ही थे कि वंदना भी पानी लेकर कमरे में आ गयी।

'बेटा इधर आओ और मेरे पास बैठो' - घोष साहब ने लाड़ से वंदना को अपने पास बिठाया और बोले 'प्रोफेसर साहब बहुत प्यारी और मेहनती बिटिया है आपकी, अगर आपको मंजूर हो तो मैं इसे अपनी बिटिया बनाना चाहता हूँ'।

'क्यों नहीं, यह तो आपकी बहुत तारीफ करती है कि आपने इसका करियर बनाने में बहुत मदद की है, अगर दोनों बच्चों को मंजूर है तो मुझे इस रिश्ते में कोई आपति नहीं'।

'बहुत बढ़िया बात कही आपने, मिलिंद बेटा आप और वंदना बिटिया अंदर कमरे में जाकर बातचीत कर लो और अपनी सहमति बताओ ताकि हम लोग भी निश्चिंत होकर विवाह की तारीख निश्चित कर सकें' – घोष साहब ने दोनों बच्चों को देखते हुए अपनी बात रखी।

'हाँ-हाँ वंदना, मिलिंद को अपना कमरा दिखाओ और आराम से बैठकर बातचीत करो' – वंदना की माँ ने घोष साहब को चाय का प्याला थमाते हुए कहा तो वंदना मिलिंद को अपना कमरा दिखाने के लिए उठ खड़ी हुई।

इधर घोष साहब, शर्मा जी से गुफ्तगू में लग गए और उधर उनकी पत्नी डिनर की तैयारी में लग गई। वंदना का सुसज्जित कमरा देखकर मिलिंद बहुत प्रभावित हुआ और तारीफ़ के पुल बांधने लगा- 'अरे वाह, वंदना बहुत सुंदर सजा रखा है तुमने अपना कमरा, मैं तो पूरी तरह से तुम्हारा दीवाना हो गया हूँ, लगता है तुम्हें खाना बनाने में भी निपुणता हासिल होगी, अरे मैं ही बोले जा रहा हूँ, तुम भी तो कुछ बोलो'।

'मिलिंद पहले बैठ तो जाओ फिर बताती हूँ कि कमरा तो मैं सजा कर रखती हूँ, लेकिन खाना बनाने का समय कहाँ मिलता है मुझे। वह तो मैं माँ की थोड़ी बहुत मदद करा देती हूँ और काम वाली बाई भी तो आती है। मिलिंद तुम्हे खाना बनाना आता है क्या'– वंदना ने पूछा तो मिलिंद कुछ भावुक हो गया।

'वंदना जब मैं दो साल का था तभी मेरी माँ मुझे छोड़ कर चली गई, तब से मुझे पापा और दादी ने पाला, फिर दादी भी साथ छोड़ गई और अब मेरी दुनिया में सिर्फ पापा हैं, वैसे तो बाहर मित्रों और घर में नौकरों की कमी नहीं है लेकिन फिर भी माँ की कमी खटकती है और मुझे यकीन है कि उस कमी को तुम ही पूरा कर सकती हो वंदना'।

मिलिंद की बातें सुन कर वंदना भी भावुक हो कर बोली – 'मिलिंद अगर हमारी शादी होती है तो मैं तुम्हारी आकांक्षाओं पर खरी उतरने की पूरी कोशिश करूंगी, लेकिन मिलिंद ताली कभी एक हाथ से नहीं बजती, इसमें तुम्हें भी मेरी पूरी मदद करनी होगी। मिलिंद मैं शादी के बाद भी काम करूंगी और कम्पनी को और भी ऊंचाइयों पर ला कर दिखाऊँगी।

'हाँ वंदना, मैं अपने कहे से कभी पीछे नहीं हटूँगा, तुम बस शादी के लिए हाँ कर दो'।

हँसते हुए मिलिंद और वंदना बाहर बैठक में आए तो सबने ताली बजा कर उनका स्वागत किया। दोनों तरफ से हाँ हो चुकी थी, अब केवल औपचारिक बातें हो रही थी। डिनर की मेज़ सज गई थी, सबने एक साथ बैठकर खाना खाया और फिर खुशी में मुंह मीठा किया।

अगले कुछ दिनों में वंदना के मम्मी-पापा ने पंडित जी से मिलकर शादी की तारीख तय कर ली। वंदना की माँ बहुत खुश थी कि उसकी पुत्री को सुयोग्य वर और अच्छा घर मिल गया लेकिन उसकी चिंता यह थी कि लड़के की माँ नहीं है और वंदना पर घर का पूरा दबाव आ जाएगा, लेकिन पति और बिटिया के समझाने पर वह निश्चिंत हो गई। वंदना बहुत समझदार लड़की थी और विवाह के बाद उसने अपने घर को बहुत अच्छे से संभाल लिया। सुबह जल्दी उठ कर काम वाली की मदद से वह नाश्ता और लंच तैयार करती और फिर पति और ससुर के साथ कंपनी का काम भी कुशलता से संभालती। सब उसकी तारीफ करते नहीं थकते। उसकी काबलियत देख कर घोष साहब जरूरी मामलों में बेटे से ज्यादा बहू पर विश्वास करते और हर मामले में उसकी राय लेते जो मिलिंद को पसंद नहीं आता।

मिलिंद वंदना को नीचा करने का कोई न कोई बहाना ढूँढता जो वंदना को समझ आने लगा था लेकिन वह चुप रहती ताकि उनके दांपत्य जीवन में दरार न आए। उसे बात-बात पर रुलवाना मिलिंद की आदत में शुमार हो गया था। 'मैंने एक लड़की से शादी की थी जो मेरा घर संभाल सके, कंपनी संभालने के लिए मैं हूँ'– मिलिंद वंदना को बात-बात में ताना मारता तो वंदना भी कह पड़ती – 'मिलिंद मैंने भी उतनी ही पढ़ाई की है जितनी तुमने, मैं भी अपनी जिंदगी जीना चाहती हूँ। शादी से पहले तुमने वादा किया था कि हम हर काम मिलकर करेंगे लेकिन दो साल में ही तुम बदल गए हो'।

बात-बात पर प्रताड़ित होती वंदना अपने दिल का गुबार आंसुओं में निकाल लेती लेकिन उस दिन तो मिलिंद ने हद ही पार कर दी, गंगा जैसी निर्मल वंदना पर गलत आक्षेप लगाकर। वंदना और मनोज एक ही प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे और उस मामले में मनोज को वंदना के कैबिन में कई बार जाना पड़ता था जो मिलिंद को बिल्कुल पसंद नहीं था। घोष साहब के कानों में जब यह बात पड़ी तो उन्होंने मिलिंद को बहुत समझाने की कोशिश की लेकिन उसकी बुद्धि को भ्रष्ट करने में उसके कुछ बिगड़ैल दोस्तों का हाथ था। अब तो समझने की जगह वह वंदना को और प्रताड़ित करने लगा और एक दिन मनोज को उसके कैबिन में जाते देख उसने हंगामा शुरू कर दिया।

'साले, बाहर निकल, मेरी बीवी के साथ गुलछर्रे उड़ाता है'।

'मिलिंद क्या कह रहे हो, होश में तो हो तुम'

'बकवास बंद कर' - मिलिंद वंदना का हाथ मरोड़ते हुए चिल्लाया- 'हाँ, होशोहवास में कह रहा हूँ, तुम कोई सती सावित्री नहीं, बदचलन हो, पहले मुझे अपने झाल में फंसाया और अब इसको फंसा रही हो'। यह सुनते ही वंदना को लगा जिसे किसी ने उस पर खौलता पानी डाल दिया हो और वह पूरी तरह झुलस गयी हो। कभी-कभी शारीरिक प्रताड़ना से बड़ी मानसिक प्रताड़ना होती है। सात फेरों के बाद अगर किसी औरत पर उसका पति इतना गलत और गिरा हुआ आक्षेप लगाए तो उसको क्या करना चाहिए। सबका कहना है कि उसको सब्र रखना चाहिए लेकिन वंदना पढ़ी-लिखी एक इज्जतदार घर की लड़की है और वह किसी भी तरह के गलत आक्षेप को स्वीकार नहीं कर सकती।

वंदना अपना सामान लेकर मायके आ गई है। खिड़की पर खड़ी वंदना के मन में उथल-पुथल चल रही है कि वह क्या करे। बाहर ठंडी हवा ने आंधी का रूप ले लिया है और वंदना ने एक अहम फैसला ले लिया है कि वह इस अंदर और बाहर की आंधी को अपने जीवन में घुसने नहीं देगी। उसने खिड़की को बंद कर दिया है और वॉश बेसिन पर आँखों को धो लिया है। अब उसे सब कुछ साफ दिख रहा है, उसने मन ही मन कुछ निश्चय किया है और उसके मम्मी-पापा उसके फैसले में उसके साथ उसकी ढाल बनकर खड़े हैं। बाहर आंधी थम चुकी है। वंदना ने खिड़की खोल दी है और शीतल बयार उसके तन और मन को सहला रही है।

लघु कथा

डॉ. अंजना गर्ग

घर जाग रहे, चोर भाग रहे

कल रात घुमंतु गली में घूम रहा था।
देखा—दो चोर बिजली के खंभे के नीचे उदास बैठे हैं,
जैसे सरकार ने चोरी पर भी जीएसटी लगा दिया हो।
घुमंतु ने पूछा,"क्यों रे भाइयो, आज धंधे पर नहीं गए?"
पहला चोर बोला,"घुमन्तू जी, धंधा ही चौपट हो गया, कहांजाएँ?
क्यों, क्या हुआ ?₹ घुमंतु ने प्रश्न दागा।
रात तीन बजे तक बच्चे मोबाइल के साथ जागते-जागते चौकीदार बन गए हैं।
सुबह चार बजे बुज़ुर्ग उठकरभगवान को लाइव कॉल लगा देते हैं!
दूसरा चोर आह भरते हुए बोला,"हम चोर हैं,
24 घंटे जागरण नहीं कर सकते!
इन घरों में तो नींद का भी प्रवेश-निषेध है,
चोरी तो दूर की बात है।"
घुमंतु हँस पड़ा—"लगता है भाइयो,
देश से नींद भी भ्रष्टाचार से डर कर भाग गई है।

कविता

भूपसिंह भारती

मां फुले का वंदन

मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन। हाथ जोड़कर नमन करें, नन्हें मुन्ने नंदन।।

सदियों से बंद रहा, शिक्षा का दरवाजा, उसे खोल कहा फुले ने, पढ़ने अंदर आजा,
ना ऊंच नीच कोई, ना कोई है बंधन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

पत्थर गोबर फेंका, जब चली पढ़ाने मां, ना रुकी क्रांति ज्योति, लगी कदम बढ़ाने मां,
फुले की कुर्बानी, कर गई सब को धन धन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

सब पाखंडों को मिटाकर, हर घर में ज्ञान फैलाया, ना अनपढ़ रहे कोई, शिक्षा का दीप जलाया,
मां लगा महकने अब, तेरी मेहनत का चंदन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

सत पथ पर चलकर के, फुले का मान करो, बनो एक नेक सारे, सुरक्षित संविधान करो,
कहे 'भारती' जीवन में, ना रहे कोई क्रंदन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।

कविता

सपना

अनकही बातें

कितनी अन्कही बाते हैं जो हम कह नहीं पाते।
चाह कर भी किसी को बता नहीं पाते।।

जानते हैं कि कोई ख़ुश न होगा हमारी ख़ुशी में।
जानते हैं कि कोई दुखी न होगा हमारे दुख में।।

क्यों भाईचारा नहीं रहा परिवारो में?
क्यों एहसास नहीं रहा रिश्तों में??
किस मुकाम पर आ कर खड़े हैं सब।
जहाँ न सच बोलने वाले हैं न सुनने वाले।।

जहाँ न सही का साथ देने वाले हैं।
न ग़लत का विद्रोह करने वाले हैं।।
न जाने क्यों टूट गई है हिम्मत।
न जाने क्यों बिखर गए हैं ख़्वाब।।

बस एक ज़िम्मेदारी सा लगता है जीवन।
अनकहा अनसुना अनछुआ ...।।

कथाकार रत्नकुमार सांभरिया की लेखनी से शोषित-वंचित वर्ग के बहुआयामी शोषण, दमन, उत्पीड़न, अत्याचार आदि के मुंह बोलते शब्दचित्र जीवंत होकर कथा-कहानी व नाटकों में ढले हैं। यही कारण है कि हर पाठक को इस जमीनी लेखक के पात्रों की पीर भोगा, देखा व सुना यथार्थ प्रतीत होता है। नई पीढ़ी के नाम संदेश में वे कहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा स्वाध्याय करें तथा छपने की जल्दबाजी नहीं करें। बड़ों से मार्गदर्शन लेते रहें और मौलिक सृजनता पर ज्यादा ध्यान दें।

साक्षात्कार

सत्यवीर नाहड़िया

शोषितों के स्वाभिमान को शब्द देना लेखकीय दायित्व : सांभरिया

साहित्य समाज का दर्पण ही नहीं होता, समाज का दिशाबोधक भी होता है, इसलिए लेखकीय दायित्व स्वाभाविक तौर पर बढ़ जाता है। सामाजिक विसंगतियों तथा विद्रूपताओं को उजागर करते हुए इनका समाधान भी सुझाना हमारा दायित्व है। शोषितों तथा वंचितों के न्याय युद्ध में शामिल होकर उनके स्वाभिमान को रेखांकित करना हर रचनाकार का दायित्व है। यह मानना है कथा साहित्य के क्षेत्र में देश के जाने-माने कथाकार-समालोचक का, जिन्होंने पिछले कई दशकों में निरंतर कथा-साहित्य को नए प्रयोगों के साथ समृद्ध किया है। यही कारण है कि कथा साहित्य के मूल तत्त्वों को अपनी मौलिक प्रयोगधर्मिता तथा अनवरत सृजनशीलता की अनूठी साधना से नयी ऊंचाइयां प्रदान करने वाले देश के चुनींदा रचनाकारों में रेवाड़ी के कथाकार रत्नकुमार सांभरिया का नाम बड़े आदर व सम्मान से लिया जाता है।

हरियाणा साहित्य गौरव सम्मान से अलंकृत इस रचनाकार ने अपनी जन्मभूमि गांव भाड़ावास (रेवाड़ी) को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी लेखनी से गौरवान्वित कराया है। भाड़ावास के इस लाल के जयपुर स्थित आवास पर लिखा 'भाड़ावास हाउस' इनका अपनी जड़ों के प्रति जुड़ाव एवं लगाव के कृतज्ञभाव का प्रदर्शित करता है। देशभर के विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में जहां उनकी रचनाएं शामिल कर पढ़ाई जा रही हैं, वहीं कहानी, लघुकथा, एकांकी, नाटक, आलोचना, अनुवाद आदि उनकी बहुआयामी सृजनधर्मिता पर तीन दर्जन से ज्यादा विद्यार्थी एमफिल व पीएचडी कर शोध कर चुके हैं। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान से बतौर उपनिदेशक (प्रशासन) सेवानिवृत्त होकर अब पूर्ण रूप से साहित्य सृजन में साधनारत हैं। 6 जनवरी, 1956 को रेवाड़ी जिले के ऐतिहासिक गांव भाड़ावास में माता जुगरी देवी तथा पिता सिंहराम के घर जन्मे बालक रत्नकुमार ने आठवीं कथा तक पढ़ाई गांव से, फिर शेष रेवाड़ी के अहीर स्कूल, अहीर कॉलेज, एसपी कॉलेज आदि से पूरी कर राजस्थान में प्राथमिक शिक्षक के तौर पर आदिवासी बच्चों को पढ़ाते हुए अपनी व उनके बचपन की गरीबी पर कहानी लिखकर लेखन की शुरूआत की। विपुल कथा साहित्य के रचयिता सांभरिया ने कहानी एवं लघुकथा के क्षेत्र में देशभर में खास मौलिक पहचान बनाकर हरियाणा, रेवाड़ी तथा भाड़ावास का मान बढ़ाया है। उनकी कहानी 'मैं जीती' पर जहां राजस्थान सरकार का समाज कल्याण विभाग टेलीफिल्म का निर्माण कर चुका है, वहीं उनकी अन्य अनेक कहानियों एवं लघुकथाओं पर रेडियो नाट्य रूपांतर प्रसारित हो चुके हैं। उनकी रचनाधर्मिता का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद उनकी सृजनशीलता के विस्तृत फलक तथा गुणात्मकसृजन का प्रमाण है। डॉ. अंबेडकर एक जीवन का जहां अरबी एवं सिंधी में अनुवाद हो चुका है, वहीं मियांजान की कुकड़ी नामक पंद्रह कहानियों का अरबी-सिंधी में अनुदान हुआ है। नाटक-एकांकी के प्रखर हस्ताक्षर श्री सांभरिया की रचनाओं को देशभर के विश्वविद्यालयों ने अपने पाठ्यक्रमों में शामिल किया है। सरल व सहज व्यक्तित्व के धनी सांभरिया के अपने बचपन की गरीबी के दिन, टपकती छान, नंगे पैर स्कूल जाना, निरंतर आर्थिकी विषमताओं से जूझना, खेतिहर मजदूर पिता का संघर्ष आज भी याद है। यही कारण है कि उनकी कहानियों, नाटकों, लघुकथाओं के पात्र संघर्ष में घुटने नहीं टेकते,प्लायन भी नहीं करते अपितु जमकर-डटकर संघर्ष करते हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

कथा साहित्य के अनूठे साधक कथाकार रत्नकुमार सांभरिया की लिखी कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इनमें हुकम की दुग्गी, काल तथा अन्य कहानियाँ, खेत तथा अन्य कहानियाँ, दलित समाज की कहानियाँ, एयरगन का घोड़ा, बांग तथा अन्य कहानियाँ, प्रतिनिधि लघुकथा शतक, मुंशी प्रेमचंद और दलित साहित्य, उपन्यास साँप व नटनी, डॉ. अंबेडकर : एक प्रेरक जीवन, नाटक-वीमा, उजास, भभूल्ला आदि नाम शामिल हैं।

रत्नकुमार सांभरिया

पुरस्कार व सम्मान

नवज्योति कथा सम्मान (1998), राष्ट्रीय सहारा कथा पुरस्कार (2005), कथादेश अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मान (2007), राजस्थान पत्रिका सृजनात्मक पुरस्कार (2018), हरियाणा साहित्य अकादमी हरियाणा गौरव सम्मान (2014), सुब्रमण्यम भारती सम्मान, केंद्र सरकार (2017) राजस्थान साहित्य अकादमी मीरा सम्मान (2023), बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता एवं साहित्य संरक्षण सम्मान, रेवाड़ी (2025) आदि शामिल हैं।

एक-दूसरे के पूरक हैं साहित्य और स्वाध्याय

विमर्श

डॉ. चंद्र त्रिखा

हरियाणा की पावन धरती भारतीय साहित्य के इतिहास में एक अद्वितीय स्थान रखती है, जिसे वेदों की जन्मस्थली होने का गौरव प्राप्त है। महर्षि वेदव्यास द्वारा 'महाभारत' की रचना भी इसी माटी पर हुई, जिसने न केवल भारत अपितु संपूर्ण विश्व को जीवन दर्शन का पाठ पढ़ाया। मध्यकाल में संत साहित्य की अविरल धारा यहाँ प्रवाहित हुई, जिसमें बाबा फरीद की सूफी वाणी और संत निश्चल दास के दार्शनिक चिंतन ने समाज को वैचारिक स्पष्टता प्रदान की। हरियाणा का साहित्य केवल पन्नों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यहाँ की लोक विधा 'सांग' और रागिनियों के माध्यम से यह सामान्य जनमानस के कंठहार का हिस्सा बना। पंडित लखमीचंद जैसे कवियों ने लोक-साहित्य को जो ऊँचाई दी, उसने हरियाणा की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक पटल पर मजबूती से स्थापित किया। समकालीन परिदृश्य में हरियाणा का साहित्य बहुआयामी और प्रगतिशील है। खड़ी बोली के विकास में बालमुकुंद गुप्त जैसे दिग्गजों का योगदान अविस्मरणीय है, जिन्होंने अपनी लेखनी से राष्ट्रीय चेतना को जगाया। वर्तमान समय में हरियाणा के रचनाकार कविता, कहानी और उपन्यास के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों, नारी विमर्श और किसान जीवन की चुनौतियों को मुखरता से अभिव्यक्त कर रहे हैं। राज्य की हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी और अनेक साहित्यिक संस्थाएं इस दिशा में अपने प्रयास कर रही है, जिससे नए लेखकों को मंच और प्रोत्साहन मिल रहा है। प्रत्येक वर्ष 500 से 600 साहित्यिक पुस्तकें प्रकाशित हो रही हैं। लेकिन एक विडंबना अब हमारे सामने आ रही है कि मुख्यधारा के विमर्श में हरियाणा में साहित्य के नाम पर कविताएँ ही अधिकाँश रूप से लिखी जा रही हैं और उसमें भी लघु कविता का बोलबाला है। जबकि गद्य में लघुकथा रचना का प्रभाव बढ़ रहा है। ऐसे में उपन्यास, कहानी, आलेख और काव्य खंड की स्थिति विचारणीय हो गई है। वर्तमान में साहित्य निहित गंभीर दार्शनिकता और मानवीय संवेदनाएं दुर्लभ सी हो रही हैं। आप ध्यानपूर्वक देखेंगे तो पायेंगे कि आज की युवा पीढ़ी में हमारे पास केवल कुछ चुनींदा लेखक ही हैं। जहां पूरी दुनिया के विभिन्न क्षेत्र युवा हाथों में सुरक्षित दिखाई देते हैं वहीं साहित्य की जिम्मेदारी का भार अभी भी वरिष्ठ साहित्यकारों के कन्धों पर होना चिंतनीय है। आज साहित्यकार जो लिख रहे हैं, वह भी अपेक्षित अध्ययन के बाद नहीं लिखा जा रहा है। साहित्य की इस समृद्ध विरासत को अक्षुण्ण रखने और इसे नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए 'स्वाध्याय' की आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक अनिवार्य हो गई है। स्वाध्याय ही वह प्रक्रिया है जो किसी भी समाज की बौद्धिक उर्वरता को जीवित रखती है। आज के डिजिटल युग में, जहाँ सूचनाओं का अंबार तो है किंतु ज्ञान की गहराई कम होती जा रही है, वहाँ पठन-पाठन की संस्कृति का ह्रास होना चिंताजनक है। स्वाध्याय केवल सूचना जुटाने का साधन नहीं है, बल्कि यह वह माध्यम है जिसके द्वारा युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ पाती है। जब तक हम अपने पुरखों द्वारा रचे गए महान ग्रंथों और समकालीन रचनाओं का गहरा अध्ययन नहीं करेंगे, तब तक हम अपनी भाषा और संस्कृति की रक्षा करने में सक्षम नहीं हो पाएंगे। साहित्यिक स्वाध्याय व्यक्ति की आलोचनात्मक सोच को विकसित करता है, जिससे वह समाज में व्याप्त भ्रांतियों और सतही विमर्शों के बीच सत्य को पहचानने की दृष्टि प्राप्त करता है। स्वाध्याय की कमी के कारण ही आज स्तरीय साहित्य की जगह सतही सामग्री ले रही है। अतः, यह आवश्यक है कि हम पुस्तकों के साथ अपना नाता फिर से जोड़ें और पुस्तकालयों को अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाएं। साहित्य और स्वाध्याय एक-दूसरे के पूरक हैं। हरियाणा की साहित्यिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए पठन की एक नई लहर की आवश्यकता है। स्वाध्याय से परिष्कृत समाज ही अपनी भाषा को मान दिला सकता है और साहित्य के माध्यम से राष्ट्र के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दे सकता है।

स्वाध्याय ही वह प्रक्रिया है जो किसी भी समाज की बौद्धिक उर्वरता को जीवित रखती है। आज के डिजिटल युग में, जहाँ सूचनाओं का अंबार तो है किंतु ज्ञान की गहराई कम होती जा रही है, वहाँ पठन-पाठन की संस्कृति का ह्रास होना चिंताजनक है। स्वाध्याय केवल सूचना जुटाने का साधन नहीं है, बल्कि यह वह माध्यम है जिसके द्वारा युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ पाती है।

महाराजा शूरसैनी जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

प्रतिभा प्रोत्साहन परीक्षा के 32 विजेताओं को किया सम्मानित

■ सांसद धर्मबीर ने कोचिंग सेंटर के लिए पांच लाख व विधायक ने 11 लाख रुपये दिए

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

हनुमान ढाणी स्थित सैनी धर्मशाला में रविवार को सैनी कल्याण परिषद द्वारा महाराजा शूरसैनी जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस गौरवशाली कार्यक्रम में भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद चौ. धर्मबीर सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की तथा अति विशिष्ट अतिथि के तौर पर भिवानी नगर परिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप, सैनी सभा हरियाणा के अध्यक्ष धर्म चौधरी, विशिष्ट अतिथि ईश्वर सैनी नायब तहसीलदार, प्रमोद सैनी, पवन सैनी पार्षद, रमेश सैनी समाजसेवी, महेंद्र कुमार सैनी ढाणी चरखान, अनूप सैनी प्राध्यापक, सुरजीत सैनी हरियाणा स्पोर्ट्स नौरंगाबाद, डा. राम सिंह सैनी पहुंचे।

समारोह का मुख्य आकर्षण प्रतिभा प्रोत्साहन प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान रहा। परिषद के प्रधान भूप सिंह सैनी ने बताया कि हाल ही में आयोजित प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 32 प्रतिभावान बच्चों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से नवाजा गया। इस अवसर पर लोहारू मार्केट कमेटी वाईस चेयरमैन सुभाष सैनी, पूजा सैनी लोहारू, सीएम विंडो एमीनेंट पर्सन रामगोपाल सैनी, राजकुमार जमालपुरिया, सुभाष को भी सम्मानित किया गया। सैनी कल्याण परिषद द्वारा शुरू किए जाने वाले कोचिंग सेंटर के लिए सांसद धर्मबीर ने 5 लाख तथा विधायक ने 11 लाख रुपये देने की घोषणा की।

भिवानी। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि को सम्मानित करते हुए।

शिक्षा से ही बदलाव संभव

सांसद चौ. धर्मबीर सिंह व विधायक ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह एकमात्र शस्त्र है जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने सैनी कल्याण परिषद की इस पहल की सराहना की और युवाओं से महाराजा शूरसैनी के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महाराजा शूरसैनी को भगवान श्रीराम के सूर्यवंशी कुल की परंपरा का वाहक माना जाता है। उन्होंने धर्म, न्याय और प्रजावत्सलता के आदर्शों को जीवित रखा।

जेई जावला को मिला छठा सूर्यवंशी महाराजा शूरसैनी अवॉर्ड

भिवानी। सूर्यवंशी महाराजा शूरसैनी जयंती के उपलक्ष्य में नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष कार्यक्रमों का भव्य समापन हुआ। स्थानीय ढाणा रोड स्थित संस्था के कार्यालय में आयोजित समापन समारोह के दौरान समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक सुरेश सैनी ने जनस्वास्थ्य विभाग के जेई बिजेश जावला को उनकी निस्वार्थ सेवाओं के लिए छठा सूर्यवंशी महाराजा शूरसैनी अवॉर्ड प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि भारत स्वाभिमान के जिला प्रभारी आत्मप्रकाश टुटेजा ने शिरकत की। वहीं स्वागत अध्यक्ष जीयो गीता परिवार के जिला अध्यक्ष नरेश आहुजा रहे। इस मौके पर जीयो गीता परिवार के महासचिव विनोद छाबड़ा भी मौजूद रहे। जेई बिजेश जावला वर्ष 2007 से जनस्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हैं, लेकिन अपनी सरकारी ड्यूटी के साथ-साथ उन्होंने समाज सुधार के कार्यों में एक नई इबारत लिखी है।

विधायक जनता की मांगों को मंजूर करवाने में विफल : सोमवीर

बाढड़ा। प्रदेश सरकार बाढड़ा विधानसभा क्षेत्र से हर मामले में उपेक्षा बरत रही है और स्थानीय विधायक पिछले एक साल से लगातार वही पुरानी मांगों को उठा कर जल्द पूरा करवाने का झूठा ढिंढोरा पीट रहे हैं। तीन विधानसभा सत्र हो या सीएम की झोझू रैली में जो मांगे रखी गई उनमें दस प्रतिशत भी पूरी होना तो दूर शुरु नहीं हो पाई है। वहीं विस चुनाव से पहले से निर्माणाधीन लघु सचिवालय भवन निर्माण कार्य एक साल से ठप्प पड़ा हुआ है जो क्षेत्र की जनता के साथ भद्दा मजाक है।

यह बात पूर्व विधायक व कांग्रेसी नेता सोमवीर श्योराण ने कस्बे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल दिखावे करती है और धरातल पर काम करने में कंजूसी बरत रही है। पिछले तीन साल से आईआईटी, आईएमटी के सपने दिखाए जा रहे हैं लेकिन बाढड़ा, कादमा, मांढी कालेजों में सत्तर फिसदी रिक्त पदों पर शिक्षकों की तैनाती नहीं करवा पा रही है। उनके साथ कांग्रेसी नेता सरपंच सुरेश धनासरी, छात्र नेता विजय मोटू, मास्टर जयदीप काकड़ौली, युकां अध्यक्ष प्रदीप ढिल्लू आर्यनगर, पूर्व चेयरमैन कृष्ण काकड़ौली, पूर्व सरपंच विजय फौजी, मुकेश खिंची, बलवान सिंह, संतराम दिसौदिया, सोनू मांढी आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

विधायक से मिला अध्यापकों का प्रतिनिधिमंडल

बाढड़ा। बाढड़ा विधायक उमेद पातुवास से उनके निवास स्थान पर पहुंच कर डेमोक्रेटिक स्कूल टीचर एसोसिएशन राज्य सह सचिव सुंदरपाल फोगाट तथा प्राथमिक शिक्षक संघ जिला चरखी दादरी प्रधान शमशेर रुदड़ोल व अन्य साथियों द्वारा मुलाकात की गई। दोनों अध्यापक संगठनों ने विधायक बाढड़ा के समक्ष झोझू को शिक्षा ब्लॉक बनाने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर सरपंच कारी रूपा बलजीत फोगाट, अनिल कुमार, कुलदीप सांगवान, बलवंत कारी, ओमप्रकाश मकडाना, स्नेहा, सरोज, अरूण, विकास, कृष्ण आदि अध्यापक उपस्थित रहे।

अध्यात्म की शक्ति से दुनिया में शांति संभव : वसुधा

भिवानी। योग ,ध्यान, आत्मा को परमात्मा में जोड़ने का सहज मार्ग है। भारत अपनी आध्यात्मिक शक्ति से पुनः विश्व गुरु बनने की ओर है । उक्त विचार राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने द्वितीय वैश्विक ध्यान दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम झोझू कलां के सेठ किशन लाल वाले मंदिर ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र में व्यक्त किए। हरियाणा योग आयोग,आयुष विभाग जिला चरखी दादरी ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र झोझूकलां के संयुक्त तत्वाधान में द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय ध्यान दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम झोझू कलां में आयोजित हुआ। जिला योग समन्वयक अधिकारी डॉ. प्रमिल फोगाट, डॉ. सुनील जांगड़ा, झोझू कलां ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र की संचालिका राज योगिनी बहन वसुधा, योग शिक्षक बिशन सिंह आर्य, मास्टर सुनील कुमार तिवाला,जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव सुरेंद्र आर्य चदेंनी, डॉ. रविंद्र काद्यान, डॉ. रिचा, डॉ. सत्या, डॉ. कविता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर आज के कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉक्टर राकेश वशिष्ठ, फार्मासिस्ट रविंदर, किरण वर्मा, आयुष योग सहायक मित्रसैन आर्य, जोगिंदर, प्रेम सिंह, देवेंद्र, नरेंद्र, सुमन, पिंकी यादव आदि का विशेष सहयोग रहा।

मंत्री श्रुति व विधायक सर्राफ के नाम ज्ञापन सौंपा

भिवानी। संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा हरियाणा के आह्वान पर, भिवानी के मोर्चा प्रतिनिधिमंडल ने भवन निर्माण मजदूरों की ज्वलंत मांगों को विधानसभा सत्र में उठाने को लेकर तोशाम विधायक व मंत्री श्रुति चौधरी व भिवानी विधायक घनश्याम सर्राफ के नाम पर मंत्री पीए रोशन लाल शर्मा व आनन्द को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में इंटक नेता रामोतार खोरड़ा, दलीप सिंह, सीटू नेता कामरेड अनिल कुमार, सदीक डाढ़म, राममेहर सिंह, धर्मवीर बामला, महावीर चांग, सुरेश सरल, भगवानदास रिवासा, विजय मिताथल, बलजीत गुजरानी आदि शामिल हुए। वहीं, बाढडा में संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा हरियाणा के आह्वान पर, प्रतिनिधिमंडल ने विधायक उमेद सिंह पातुवास के नाम पर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में भवन निर्माण कामगार यूनियन सीटू जिला संयोजक सुमेर सिंह धारणी ब्लॉक कोष्ध्यक्ष रोशन लाल धारणी किसान नेता नसीब मोद, इंटक नेता रवि कुमार शामिल हुए।

गोल शॉट बॉल चैंपियनशिप में चमके भिवानी के लाल

भिवानी। नेपाल के शहर पोखरा में 16 से 19 दिसंबर तक आयोजित हुई प्रथम साउथ एशियन गोल शॉट बॉल चैंपियनशिप में भारतीय टीमों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए दोहरा स्वर्ण पदक जीता है। नेपाल में आयोजित इस चार दिवसीय चैंपियनशिप में दक्षिण एशियाई देशों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। गांव मित्ताथल के परमवीर सिवाच ने पुरुष टीम को कोचिंग दी। गांव खरक के निवासी विवेक कुमार ने महिला टीम के मुख्य कोच की भूमिका निभाई। वहीं टीम के नेतृत्व की कमान उमरावत गांव के अमित कौशिक के हाथों में थी। इस दोहरी उपलब्धि के बाद भिवानी के मित्ताथल, खरक और उमरावत गांवों में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस जीत पर नरेंद्र जाटान, डा. आकाश परमार, रमेश कोच, राजू, बिजेंद्र पीटीआई, सोमवीर बामला, मनीष बीएसएफ कोच, अशोक पूनिया सहित अनेक खेलप्रेमियों ने बधाई दी।

मा. प्यारेलाल के निधन पर विधायक ने जताया शोक

लोहारू। समाज एवं रक्तदाता रहे मा. प्यारेलाल सांगवान के निधन पर लोहारू के कांग्रेसी विधायक राजबीर फरटिया सहित अनेक लोगों ने उनके लोहारू स्थित दमकोरा हाउस पर पहुंचकर शोक प्रकट किया। राजबीर फरटिया ने कहा कि मा. प्यारेलाल सांगवान ने इलाके में रक्तदान की मुहिम की शुरुआत कर पूरे प्रदेश के युवाओं को रक्तदान की राह पर चलने की प्रेरणा दी थी। उनके जाने से समाज में हुए रिक्त स्थान को कभी पूरा नही किया जा सकता।

बता दें कि मा. प्यारेलाल सांगवान का दो दिन पहले 72 वर्ष की आयु में हृदय गति रुकने से निधन हो गया था। अपने जीवन में 106 बार रक्तदान करने वाले मा. प्यारेलाल सांगवान पूरे हरियाणा में महान रक्तदाता के रूप में जाने जाते थे। उनके निधन पर शोक प्रकट करने वालों में मा. रामअवतार आर्य, जितेंद्र भारद्वाज, मुकेश शर्मा, मा. श्यामसुंदर सांगवान सहित अनेक लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मा. प्यारेलाल सांगवान का सादगी पूर्व जीवन और उनके आदर्श हमेशा आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा देते रहेंगे।

अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस के उपलक्ष्य में नगर परिक्रमा

भिवानी । अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस के उपलक्ष्य में युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा चलाया जा रहा ध्यान योग अभियान निरंतर जारी है। इसी कड़ी में हनुमान ढाणी स्थित हनुमान जोहड़ी मंदिर में रविवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां आयोजित ध्यान कक्षा में श्रद्धालुओं ने ना केवल योग की बारीकियों को सीखा, बल्कि आत्मिक शांति का अनुभव भी किया। वहीं इससे पूर्व श्रद्धालुओं ने बालयोगी महंत चरणदास महाराज के नेतृत्व में निकाली जा रही अढ़ाई कोसी नगर परिक्रमा में भी हिस्सा लिया। परिक्रमा के उपरांत बड़ी संख्या में श्रद्धालु हनुमान जोहड़ी मंदिर परिसर में एकत्रित हुए। परिक्रमा की शारीरिक थकान के बाद जब श्रद्धालुओं ने ध्यान की मुद्रा धारण की तो वातावरण पूरी तरह भक्तिमय और शांत हो गया। इस अवसर पर सुशील गुप्ता, विनय गुप्ता, मैनेजर धर्मवीर दहिया, धनश्याम शर्मा, जयपाल परमार, मा. माखन सिंह, मनोज वर्मा, नरेश वर्मा, संजय सैनी, रामानंद शर्मा, विजय मितल, सुनील गर्ग, प्रवीण पंडित, विशाल, विद्या देवी, संतोष, दनवंती देवी, सोनिया, चंचल, प्रकाश गर्ग, विकास सोनी, सतीश सैनी, राजेश आदि मौजूद रहे।

नपा चेयरमैन ने विकास को लेकर पार्षदों संग की बैठक

बवानीखेड़ा। बवानी खेड नगर पालिका चेयरमैन सुंदर अत्री ने समाप्त होते वर्ष 2025 व नव वर्ष के आगमन पर शहर के विकास को लेकर बैठक ली। जिसमें नगर पालिका के सभी पार्षदों एवं पार्षद प्रतिनिधियों के साथ कस्बे के समग्र विकास को लेकर बैठक में भाग लिया। इस दौरान कस्बे की प्रमुख समस्याओं, चल रहे विकास कार्यों एवं भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। अध्यक्ष सुंदर अत्री ने बताया कि नगर पालिका कार्यालय में रिक्त पड़े एमई के पद पर पंकज गर्ग की नियमित रूप में नियुक्ति हुई तथा शेष रिक्त पदों को भी शीघ्र भर लिया जाएगा, जिससे विकास कार्यों में और गति आएगी। वहीं उन्होंने पार्षदों को बताया कि शहर की जनता ने जिस विश्वास के साथ उन्हें चुना है, उस पर पूरा खरा उतरना है।

शिक्षक विनोद पिंकू को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

हरियाणा राजपूत प्रतिनिधित्व सभा जिला भिवानी द्वारा अपनी 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रविवार को स्थानीय राजपूत धर्मशाला में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में शिक्षा, खेल और प्रतिभा को प्रोत्साहित करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित करना रहा। इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा के सुपुत्र नेपाल सिंह राणा रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और समाज के उत्थान में शिक्षा व खेलों की भूमिका पर अपने विचार रखे। समारोह में शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू को खेलों एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट, सराहनीय एवं अनुकरणीय योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। बता दें कि विनोद पिंकू लंबे समय से विद्यार्थियों को खेलों के प्रति जागरूक करने, शारीरिक फिटनेस बढ़ाने तथा शिक्षा के साथ खेलों को संतुलित रूप से आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। विनोद पिंकू द्वारा बदलाव की पाठशाला का भी संचालन किया जाता है, जिसके तहत विद्यार्थियों को जल एवं पर्यावरण संरक्षण, नशा विरोधी मुहिम सहित अन्य सामाजिक मुहिम से भी जोड़ा जाता है ताकि विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान से हटकर समाजहित के कार्यो के लिए भी प्रेरित किया जा सकें।

भिवानी। शारीरिक शिक्षक पिंकू को सम्मानित करते हुए।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला प्रधान राजपूत प्रतिनिधि सभा बृजपाल पप्पू, उप प्रधान वीरेंद्र तंवर जाटू लोहारी, गजेंद्र परमार बौंद, कंवरपाल ईटीओ, पूर्व प्राचार्य योगेंद्र चौहान, जयदेव सरपंच, जगदीश सरपंच संजरवास, प्रधान वीरेंद्र तंवर तिगड़ाना, मदन परमार, नेत्रपाल सरपंच, नसीब तंवर, बिशन परमार, एएफएसओ रवींद्र तंवर, मास्टर जगपाल, दीपा प्रधान, भुप्पी कोच, अन्नू पाल तिगड़ाना, विनीत तंवर, प्रेम तंवर, कर्मबीर तंवर, राजेश राठौर, बीर सिंह बवानी खेड़ा, अनिल परमार, नवीन ठेकेदार, भोमराज सहित अन्य मौजूद रहे।

महिला वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में दिव्यांशा और शैली रही प्रथम

हमारी बेटियां किसी क्षेत्र में नहीं पीछे : सर्राफ

भिवानी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय खेल मंत्रालय के विजन खेलो इंडिया को धरातल पर उतारते हुए देश भर के जिला मुख्यालयों पर अश्मिता खेलो इंडिया लीग का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को स्थानीय भीम स्टेडियम में महिला वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन हुआ। यह प्रतियोगिता इंडियन वेटलिफ्टिंग फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. सहदेव यादव के दिशा-निर्देशों पर वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन ऑफ हरियाणा द्वारा आयोजित की गई। कार्यक्रम का कुशल प्रबंधन वेटलिफ्टिंग कोच विजय रोहिल्ला की देखरेख में संपन्न हुआ, जिसमें जिले भर की 17 महिला खिलाड़ियों ने अपनी ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे भारतीय खेल प्राधिकरण भिवानी सेंटर के इंचार्ज डिप्टी डायरेक्टर दीपक पंथ ने तकनीकी बारीकियों और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता के दौरान वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन ऑफ हरियाणा के वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे। एसोसिएशन के प्रधान दीपक अहलावत, महासचिव अरुण ठाकरान और कोषाध्यक्ष जोगिंद्र गिल ने खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई की। इस अवसर पर वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन भिवानी के प्रधान राजीव प्रकाश खरोलिया, वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन भिवानी की उपप्रधान राखी विजय रोहिल्ला, महासचिव विनोद प्रजापति, कोषाध्यक्ष आशीष वर्मा, प्रतियोगिता में 48 किलोग्राम भार वर्ग में दिव्यांशा प्रथम, 53 किलोग्राम में शैली प्रथम तथा पूजा द्वितीय, 58 किलोग्राम में वर्षा, 63 किलोग्राम में कुमारी मुस्कान प्रथम व हिमांशी द्वितीय, 69 किलोग्राम में नेहा प्रथम, 77 किलोग्राम में मनीषा प्रथम, महक द्वितीय व तन्नु तृतीय, 86 किलोग्राम में ज्योति प्रथम तथा 86 किलोग्राम से अधिक भार वर्ग में वनिशा प्रथम, आशा द्वितीय व परी तृतीय रही।

पालूवास में 21 युवाओं ने स्वेच्छा से किया रक्तदान

भिवानी। समाजसेवा और मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए रविवार को गांव पालूवास के पंचायत घर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर श्री हरि सिंह सचखंड वासी की स्मृति में सहारा चैरिटेबल ट्रस्ट के विशेष सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर में युवाओं और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर 21 यूनिट रक्त एकत्रित किया। रक्तदान शिविर में चौ. बंसीलाल नागरिक अस्पताल से ब्लड बैंक की टीम डा. सुचेता की देखरेख में पहुंची। शिविर के मुख्य अतिथि के रूप में शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने शिरकत की, जिन्होंने अब तक 139 से अधिक बार रक्तदान कर समाज में एक मिसाल पेश की है। शिविर के आयोजक नवीन कुमार इन्सां ने जानकारी देते हुए बताया कि सचखंड वासी हरि सिंह की स्मृति को जीवंत रखने के लिए इस पुनीत कार्य का चयन किया गया। इस अवसर पर मुकेश खरेरा, प्रदीप कुमार, साहिल दुग्गल, आकाश,अमन विनोद खरेरा, मोहित खरेरा, राकेश,कमल सोलंकी,शिवचरण सहित अन्य गांव के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कराटे चैंपियनशिप में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

भिवानी। ऑल इंडिया शीतो-र्यू कराटे ऑर्गेनाइजेशन एवं वेदांक ग्लोबल स्पोर्ट्स फेडरेशन के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय 5वीं हरियाणा राज्य स्तरीय ओपन कराटे चैंपियनशिप 2025 का शुभारंभ सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी नरेश गर्ग ढिगावा वाले ने की। सांसद धर्मवीर सिंह ने कहा कि यह खेल उनके संज्ञान के मुताबिक किसान के बैलों से संबंध रखता है। कहीं ना कहीं वहीं से इस खेल की उपज हुई है , चैंपियनशिप के आयोजक एवं ऑल इंडिया शीतो-र्यू कराटे ऑर्गेनाइजेशन के चेयरमैन हरीश कोच व भारतीय पर्वत रोही रीना भट्टी, हरियाणा कराटे एसोसिएशन के संयुक्त सचिव अनिल भारद्वाज ने कहा कि यह प्रतियोगिता राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर कराटे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतरीन मंच प्रदान करेगी। इस अवसर पर योगेश कालरा, महासचिव, कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया, अनूप महासचिव, हरियाणा स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन, अनिल भारद्वाज, रोहताश चौहान, अमन मलिक, सचिन जैन, पार्षद नरेंद्र सर्राफ, सुनीता सिंह, सुरेंद्र लोहिया, नंद किशोर अग्रवाल, अशोक भारद्वाज, विशाल मेहता, विजेता मुंडालिया, नरेश गर्ग मौजूद रहे।

महिला सर्कल कबड्डी में हरियाणा ने मारी बाजी

तोशाम। इनेलो नेता स्वर्गीय अनूप सिंह बागनवाला की तृतीय पुण्यतिथि के मौके पर इनेलो हलका अध्यक्ष अनिल बागनवाला तथा सयाणा भांजा के नेतृत्व में गांव बागनवाला में हरियाणा तथा पंजाब की महिला कबड्डी टीम के बीच सर्कल कबड्डी का मैच करवाया गया। हरियाणा की खिलाड़ियों ने जीत दर्ज की। इस अवसर पर पूर्व सरपंच रणबीर बागनवाला, हरिश तोशामिया, इनेलो नेता मुकेश महतानी, रामेश्वर, गांव बागनवाला के सरपंच विरेन्द्र श्योराण, रूघबीर दुहन, युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल प्रधान, शमशेर बागनवाला, मास्टर मनेन्द्र, जोन ठेकेदार, राजबीर आलमपुर, शहीद भगत सिंह युवा क्लब तोशाम के प्रधान सन्दीप पंघाल, स्याना भांजा, शोले बागनवाला, श्याम टाला, अशोक कुमार आदि मौजूद थे।

विजय दिवस पर सुशीला देवी को गौरव सम्मान से नवाजा

भिवानी। वर्ष 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारतीय सेना की ऐतिहासिक विजय की स्मृति में मनाए जाने वाले विजय दिवस के अवसर पर हिसार कैंट स्थित स्वर्ण जयंती पार्क में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस समारोह में देशभक्ति और कृतज्ञता का अनूठा संगम देखने को मिला, जहां युद्ध की वीरांगनाओं (वीर नारियों) व समाजसेवा के क्षेत्र में अग्रणीय रहने वाली महिलाओं को सम्मानित कर उनके त्याग को नमन किया गया। वहीं वूमेन हेल्पिंग सोसायटी की संस्थापिका व अध्यक्षा तथा इंडियन वेटरन ऑर्गेनाइजेशन की प्रदेश पैट्र्न सुशीला देवी सिंह के लिए यह दिन अत्यंत विशेष रहा। उन्हें समाज सेवा के लिए दो अलग-अलग मंचों पर सम्मानित किया गया।

नए विधेयक पर जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▸▸| तोशाम

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम अर्थात मनरेगा के स्थान पर केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित नए विधेयक विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण 2025 को लेकर कांग्रेस के भिवानी ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध जताया।

इस दौरान कांग्रेस के भिवानी ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी ने उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार नए बिल के माध्यम से मनरेगा जैसे जनकल्याणकारी और मजदूरों को काम के अधिकार वाले कानून का गला दबाने का काम कर रही है। अनिरुद्ध चौधरी का कहना था कि भाजपा सरकार मजदूरों के हित वाली राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम वाली मनरेगा योजना का नाम बदलकर हमारे महापुरुषों के योगदान को भूलाने का काम कर रही है। जोकि भाजपा सरकार की छोटी मानसिकता को दर्शाता है। अनिरुद्ध चौधरी ने कहा कि मनरेगा योजना मजदूरों के हित में सार्वभौमिक मांग पर आधारित कानून है जिससे गरीबों को रोजी-रोटी मिलने की गारंटी मिलती है। परंतु भाजपा सरकार को मजदूरों के हित वाला यह कानून कतई भी रास नहीं आ रहा। जिसके चलते भाजपा की केंद्र सरकार नया वीबी जीरामजी बिल चाहती है जो सरकार को मांग के अनुसार फंड आवंटित करने की उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी से मुक्त कर देगा। अनिरुद्ध चौधरी का कहना था कि बिल में ऐसे प्रावधान किए गए हैं जो बड़ी संख्या में ग्रामीण गरीब परिवारों को जॉब कार्ड की पात्रता से बाहर का रास्ता दिखा देंगे। वहीं कार्य स्थल पर अनिवार्य डिजिटल हाजिरी भी मजदूरों के लिए बड़ी बाधा है क्योंकि कार्यस्थल पर मजदूरों के लिए नेटवर्क की परेशानी और तकनीकी ज्ञान न होने की वजह से बेचारे गरीब मजदूर अपने हक और मजदूरी से वंचित रह जाएंगे। जिसको लेकर अनिरुद्ध चौधरी ने केंद्र सरकार के इस नए बिल को मजदूर विरोधी बताते हुए कड़े शब्दों में निंदा की।

तोशाम। विरोध जताते हुए अनिरुद्ध चौधरी।

स्वदेशी के संदेश को फैलाएं : सांसद

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

भारतीय जनता पार्टी की जिला कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को स्थानीय पंचायत घर में आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद धर्मबीर सिंह ने शिरकत की, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने की। बैठक का मुख्य केंद्र आगामी संगठनात्मक लक्ष्य और केंद्र व राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना रहा।

सांसद धर्मबीर सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज भारत आत्मनिर्भर बनने की राह पर तेजी से अग्रसर है। विकसित भारत-2047 का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब हम स्वदेशी को अपनाएंगे और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देंगे। हर कार्यकर्ता को चाहिए कि वह आत्मनिर्भर भारत के इस संदेश को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाए। सांसद ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की नायब सिंह सैनी सरकार ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए अनेकों योजनाएं लागू की हैं। इस मौके पर जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने बैठक के दौरान जिला कार्यकारिणी की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में होने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से हम हर बूथ पर अपनी उपस्थिति और अधिक सशक्त करेंगे। इस मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष नंदराम धानिया ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति दिवस के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कुछ दिनों बाद इस दिवस के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें प्रत्येक कार्यकर्ता को बढ़-चढ़क़र भाग लेना है। पूर्व राष्ट्रीय सदस्य वरूण श्योराण ने कहा कि भाजपा सरकार ने इतिहास के पन्नो में गुम हुए अहिल्याबाई होल्कर जैसे महान वीरांगनाओं व महापुरूषों की जीवन गाथा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सराहनीय कार्य किया है तथा उनकी जयंती पर प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाते है। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संदीप श्योराण ने एसआईआर के मुद्दे पर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

भिवानी। अतिथि को सम्मानित करते हुए भाजपा नेता।

खबर संक्षेप

कमेटी ने चलाया स्वच्छता अभियान

महेंद्रगढ़। माता भूरा भवानी मंदिर कमेटी एवं मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल टीम सिसोठ के सदस्यों ने दिसंबर माह में लगातार तीसरे रविवार को सफाई अभियान चलाकर माता भूरा भवानी मंदिर के मुख्य मार्ग की सफाई की। मंदिर कमेटी के प्रेस सचिव एवं मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल टीम के सदस्य मुकेश चौहान व मंदिर कमेटी के पूर्व प्रधान एवं संरक्षक प्रेमचंद सिसोठिया, मंदिर कमेटी प्रधान संदीप यादव ने बताया कि जहां स्वच्छता होती है।

यदुवंशी में यदुराइज परीक्षा का आयोजन

नारनौल। यदुवंशी शिक्षा निकेतन में यदुराइज परीक्षा द्वितीय चरण का आयोजन रविवार को कक्षा प्रथम से 11वीं तक अत्यंत सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परीक्षा के दौरान विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों व अभिभावकों की भारी भीड़ देखने को मिली। जिससे परीक्षा की लोकप्रियता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। विद्यालय के प्रिंसिपल नरेश यादव ने परीक्षा में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की।

अवैध शराब बेचते 3 लोग गिरफ्तार

नारनौल। थाना शहर महेंद्रगढ़ पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए रिवासा पुल के नीचे से एक युवक को काबू किया। जिसकी पहचान अमित वासी सिसोठ के रूप में हुई, जिसके कब्जे से पुलिस ने प्लास्टिक के कट्टे में 13 बोतल अवैध देसी शराब बरामद की है। वहीं दो अन्य कार्रवाई थाना निजामपुर पुलिस द्वारा की गई। निजामपुर पुलिस की एक टीम ने गांव सैदअलीपुर मोड़ के पास नाकाबंदी के दौरान बाइक सवार अशोक कुमार वासी सहबाजपुर को काबू किया।

मनरेगा का नाम बदलने पर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

नारनौल। बाबा साहेब अम्बेडकर स्मारक स्थल पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। जिसकी अध्यक्षता कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सत्यवीर झूकिया ने की। यह प्रदर्शन भाजपा सरकार की ओर से मनरेगा के नाम में परिवर्तन कर विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण करने के खिलाफ किया गया। जिला अध्यक्ष सत्यवीर यादव ने हमला बोला है।

ट्रेन नंबर 54309/54310 दिल्ली-हिसार पैसेंजर विलंब से चल रही

दिल्ली-रेवाड़ी पैसेंजर को सादुलपुर के रास्ते हिसार तक विस्तारित करने की मांग, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭सतनाली मंडी

स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव व लगभग हर रोज अत्यधिक विलंब से चल रही 54309/54310 दिल्ली-हिसार पैसेंजर के स्थान पर 54413/54414 दिल्ली-रेवाड़ी पैसेंजर का विस्तार रेवाड़ी से सादुलपुर के रास्ते हिसार तक विस्तार किए जाने की मांग को लेकर सतनाली रेल सेवा समिति के नेतृत्व में महाप्रबंधक के सतनाली स्टेशन अधीक्षक को अलग अलग ज्ञापन सौंपे। सतनाली रेल सेवा समिति प्रधान दीवान सिंह शेखावत के नेतृत्व में जीएम जयपुर के नाम स्टेशन अधीक्षक डीएस स्वामी को सौंपे ज्ञापन में बताया कि ट्रेन नंबर 54309/54310 दिल्ली-हिसार पैसेंजर वर्तमान में अत्यधिक विलंब से चल रही है तथा अपने गंतव्य तक पहुंचने में लगभग दोगुना समय ले रही है। इसके कारण यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त वंदे भारत एक्सप्रेस के संचालन के पश्चात इस पैसेंजर ट्रेन का समय और भी प्रतिकूल हो गया है, जिससे यात्रियों की संख्या में कमी आई है और सेवा का उपयोग घट गया है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस मार्ग पर एक समयबद्ध और सुगम ट्रेन की आवश्यकता अनुभव की जा रही है। ट्रेन नंबर 54413/54414 दिल्ली-रेवाड़ी पैसेंजर अत्यंत समयबद्ध व सुचारू रूप से संचालित हो रही है। यदि इस ट्रेन का विस्तार रेवाड़ी से आगे लोहारू सादुलपुर होकर हिसार तक कर दिया जाए, तो यह यात्रियों के लिए एक अत्यंत उपयोगी विकल्प सिद्ध होगी और मौजूदा 54309/10 की प्रतिकूल समयसारणी से उत्पन्न समस्या का समाधान भी हो जाएगा। उन्होंने यात्रियों को हो रही परेशानी को देखते हुए ट्रेन नंबर 54309/54310 दिल्ली-हिसार पैसेंजर के स्थान पर ट्रेन नंबर 54413/54414 दिल्ली-रेवाड़ी पैसेंजर का विस्तार रेवाड़ी से सतनाली-लोहारू-सादुलपुर के रास्ते हिसार तक करने की मांग की।

सतनाली मंडी। स्टेशन अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते क्षेत्रवासी। फोटो : हरिभूमि

एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं दिया

इसके अलावा जीएम के नाम सौंपे दूसरे ज्ञापन में बताया कि उपतहसील मुख्यालय सतनाली हरियाणा व राजस्थान के 80 सैनिक बाहुल्य गांवों का मुख्य रेलवे स्टेशन है और यहां से प्रतिदिन भारी संख्या में यात्री यात्रा करते हैं। स्टेशन पर कुछ ही ट्रेनों का ठहराव है। जिनसे उल्लेखनीय यात्री भार के बावजूद अनेक एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं दिया गया है। जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में ट्रेन नंबर 22471/72 दिल्ली लालगढ़-इंटरसिटी, ट्रेन नंबर 19701/02, दिल्ली-सरायरोहिल्ला-जयपुर सैनिक एक्सप्रेस व ट्रेन नंबर 14713/14 दिल्ली सराय-सीकर एक्सप्रेस का ठहराव करने की मांग करते हुए बताया कि इन ट्रेनों के ठहराव से यात्रियों को सुविधा मिलेगी और रेलवे को भी अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ती होगी। उन्होंने बताया कि ज्ञापन की प्रति सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह, महाप्रबंधकए उत्तर रेलवे नई दिल्ली व मंडल रेल प्रबंधक बीकानेर को भी प्रेषित की गई है।

विजेता टीम को दो लाख से अधिक व आधा किलो चांदी का मिलेगा कप

गांव पाली में क्रिकेट महाकुंभ 31 दिसंबर से होगा शुरू

बाबा जयराम दास का महान मेला 14 जनवरी को होगी विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं।

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

गांव पाली में क्रिकेट महाकुंभ 31 दिसम्बर से आयोजित किया जाएगा। इस दौरान खेल स्टेडियम में विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। क्रिकेट महाकुंभ को लेकर कमेटी सदस्यों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। क्रिकेट में विजेता टीम को कमेटी की ओर से आर्कषक इनाम दिया जाएगा।

बता दें कि गांव पाली में हर वर्ष बाबा जयराम दास का मेले का आयोजन किया जाता हैं। इसी उपलक्ष्य में जिले में यहां सबसे बड़ी क्रिकेट प्रतियोगिता होती हैं। इस क्रिकेट महाकुंभ में देशभर से अनेक क्रिकेटर खिलाड़ी हिस्सा ले चुके है। पाली के इस खेल स्टेडियम में 2007 में हुए 20–20 क्रिकेट वर्ल्डकप मुकाबले में इंडिया टीम को जीत दिलाने वाले जोगेंद्र शर्मा भी खेल चुके हैं। इसके अलावा आईपीएल के अनेक खिलाड़ी यहां आ चुके है।

महेंद्रगढ़। बाबा जयराम दास का मंदिर। फोटो : हरिभूमि

कई प्रतियोगिताएं होगी

गांव पाली स्थित बाबा जयराम दास का महान मेला 14 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। परमहंस बाबा जयरामदास महाराज का मेला 77वीं बार बाबा जयरामदास मंदिर कमेटी की देखरेख में किया जाएगा। इस दौरान मेले के उपलक्ष्य में खेलकूद प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। मेले में क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी, नेशनल लड़के और लड़कियों आयोजित की जाएगी। इसके अलावा गोला फैंक, लंबी कूद व दौड़ प्रतियोगि भी होगी। लड़कियों की कबड्डी 13 जनवरी को प्रातः 10 बजे शुरू होगी। क्रिकेट प्रतियोगिता 31 दिसम्बर से प्रारंभ कर दी जाएगी।

इसके अतिरिक्त कबड्डी लड़कियों की 13 व 14 दिसबंर को, वॉलीबॉल 14 जनवरी से, कुश्ती प्रतियोगिता 14 जनवरी को आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा दौड़ 100, 200, 400, 800, 1600, 3000, 5000, लड़कियों की दौड़ 100 से 3000 मीटर तक की होगी एवं बच्चों व बुजुर्ग की भी दौड़ होगी, लम्बी कूद, 12 जनवरी प्रातः नौ बजे बाबा जयरामदास स्टेडियम पाली में करवाई जाएंगी! प्रतोगिता में विजेता खिलाड़ी को आर्कषक इनाम दिया जाएगा।

खिलाड़ियों के लिए रहेंगा इनाम

कुश्ती 500, 1100, 2100, 3100, 5100, 11000, 21000, 31000, 51000 रुपये तक की होगी। कुश्ती में बराबर रहने पर कोई भी इनाम नहीं दी जाएगा। एथलेटिक्स का इनाम 1500 से लेकर के 6100 तक का होगा। वालीबॉल विजेता टीम को 51000 रुपये व उपविजेता टीम को 31000 रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा कबड्डी नेशनल में प्रथम विजेता टीम को एक लाख इक्कीस हजार रुपये तथा उपविजेता टीम को 81000 रुपये व सभी विजेता टीमों को बीजेआरडी ट्रॉफी दी जाएगी। लड़कियों की कबड्डी का प्रथम ईनाम 51000 एवं उप विजेता 31000 रुपये इनाम दिए जाएंगे। कबड्डी नेशनल पुरूष को सेमीफइनल में हारने वाली दोनों टीम को 11000-11000 दिए जाएंगे। इसके अलावा महिला प्रतियोगिता में 5100-5100 रुपये रुपए दिए जाएंगे। कबड्डी नेशनल में फाइनल खेलने वाली दोनों टीमों को किट दिए जाएंगे। कबड्डी नेशनल लड़कियों के किट एवं एथलेटिक्स के किट दिए जाएंगे। कबड्डी तथा वॉलीबॉल की विजेता टीम के बेस्ट प्लेयर को 5100झ्र5100 रुपये नकद दिए जाएंगे। वॉलीबॉल में फाइनल मैच में दोनों टीमों को ट्रैकसूट व किट दिए जाएंगे।

क्रिकेट में यह रहेंगा इनाम

क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रथम विजेता टीम को दो लाख एक हजार व आधा किलो चांदी का कप तथा उपविजेता टीम को एक लाख इक्कीस हजार व 250 ग्राम चांदी का कप दिया जाएगा। क्रिकेट में मैन ऑफ द सीरीज को बाइक दी जाएगी। क्रिकेट प्रथम व द्वितीय विजेता टीम को चांदी के मेडल दिए जाएंगे। क्रिकेट सेमीफइनल में हारने वाली दोनों टीमों को 11000-11000 रुपये दिए जाएंगे। क्रिकेट मैन ऑफ द मैच फाइनल में 11000 रूपये तथा सेमीफाइनल में 5100 -5100 रुपये दिए जाएंगे। क्रिकेट के मैच लीग के आधार पर खेले जाएंगे। क्रिकेट बेस्ट बॉलर और बेस्ट बल्लेबाज को 5100-5100 रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा क्रिकेट बेस्ट फील्डर को 5100 रुपये दिए जाएंगे।

नारनौल। डीआरयूसीसी के सदस्य हरमेश कुमार को ज्ञापन सौंपते संगठन सुप्रीमो अतरलाल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

रेलवे के डीआरयूसीसी सदस्य ने सुनी यात्रियों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

- कनीना रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव व नई ट्रेन चलाने की मांग

उत्तर पश्चिमी रेलवे बीकानेर मंडल के संभागीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्श समिति डीआरयूसीसी सदस्य हरमेश कुमार ने कनीना, उन्हाणी, भोजावास, धनौन्दा में बैठक आयोजित कर रेलवे यात्रियों की समस्याओं को जाना। इस अवसर पर प्रजा भलाई संगठन के सुप्रीमो प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने डीआरएम बीकानेर डिवीजन को सम्बोधित एक ज्ञापन उन्हें सौंपकर कनीना खास रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव करने की मांग की। अतरलाल ने कहा कि कनीना रेलवे स्टेशन से होकर आठ एक्सप्रेस गाड़ियां गुजरती हैं, लेकिन उनमें से एक भी ट्रेन का ठहराव यहां नहीं है। जिसके कारण रोजना सैकड़ों यात्रियों को एक्सप्रेस ट्रेनों में यात्रा करने के लिए रेवाड़ी और महेन्द्रगढ़ चढ़ना और उतरना पड़ता है। उन्होंने कहा कि कनीना उपमंडल है, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी और तहसील कार्यालय है। दो पुलिस स्टेशन है। सरकारी कॉलेज तथा अनेक प्राइवेट कॉलेज हैं, पुरानी अनाज मंडी है। इलाका सैनिकों की खान है। नजदीक बाघोत गांव का ऐतिहासिक व धार्मिक शिव मंदिर तथा नजदीक महासर गांव में देवी माता का मंदिर है। इसलिए कनीना रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव होना जरूरी है। उन्होंने इस लाइन पर एक नई पैंसेजर ईएमयू गाड़ी प्रातः पांच बजे सादुलपुर से वाया कनीना, रेवाड़ी, दिल्ली, पानीपत तक चलाने तथा पानीपत में एक घंटे का स्टोपिज करने के बाद वापसी इसी रूट से सादुलपुर तक चलाने तथा कनीना रेलवे स्टेशन को आदर्श भारत स्टेशन योजना में शामिल करने की मांग भी की। संभागीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्श समिति सदस्य हरमेश कुमार ने ज्ञापन को तत्काल डीआरएम को भेजने तथा उनकी मांग को डिवीजन की बैठक में रखने तथा एक एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव कनीना खास रेलवे स्टेशन पर करवाने का भरोसा दिया।

ओमसाइंराम स्कूल में गीता ज्ञान नेतृत्व प्रतियोगिता

महेंद्रगढ़। श्री ओम साईंराम एकेडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल स्कूल में गीता जयंती के उपलक्ष में गीता ज्ञान नेतृत्व प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस्कॉन बहादुरगढ़ मंदिर के अध्यक्ष नित्यानंद आश्रय की अध्यक्षता में आयोजित गीता ज्ञान नेतृत्व प्रतियोगिता की टीम में मोहिनी सीतादेवी दासी, अंतरंगा माधवी माताजी, प्रभु देवेन्द्र नाथ और जगमोहन ब्रजेश्वर प्रभु, सत्य गोपाल दास विशेष तौर से शामिल रहे। इनके द्वारा 10 दिनों तक गीता ज्ञान की कक्षाएं लगाई गई और 11वें दिन परीक्षा ली गई, जिसमें विद्यालय के लगभग 100 बच्चों ने भाग लिया। घोषित परीणाम के अनुसार 13 बच्चों की मैरिट आई, जिनमें भैरव, अनीश, भावेश प्रथम स्थान पर रहे, जबकि संगम, प्रतीक, अमन, विनीत, पार्थ, उदिति द्वितीय स्थान पर रहे तथा रोनक, खुशी और रक्षिता तीसरे स्थान पर रहे।

मॉडर्न स्कूल भोजावास में अभिभावक-अध्यापक बैठक

महेंद्रगढ़। मॉडर्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भोजावास में अभिभावक-अध्यापक बैठक आयोजित की गई। इस पीटीएम का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा करना तथा अभिभावकों-शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना था। सभी अभिभावकों ने अपने बच्चों की बोर्ड कक्षाओं की प्री बोर्ड परीक्षा का परिणाम व नॉन बोर्ड कक्षाओं के नवंबर महीने के टेस्ट की रिपोर्ट उनके कक्षा अध्यापक से प्राप्त की तथा बच्चों के द्वारा दी गई, परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाएं भी अभिभावकों ने देखी। अभिभावकों ने अपने बच्चों की पढ़ाई, व्यवहार तथा अन्य गतिविधियों के बारे में अध्यापकों से चर्चा की। अध्यापकों ने अभिभावकों से कहा कि आप घर पर बच्चों के लिए पढ़ाई का माहौल तैयार करें, ताकि बच्चों को आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में पीछे मुड़कर न देखना पड़े। अध्यापकों ने अभिभावकों से यह भी आग्रह किया कि आप अपने बच्चों को मोबाइल से दूर रखें।

यदुवंशी स्कूल में यदुराइज के द्वितीय चरण का ऑफलाइन संपन्न

महेंद्रगढ़। यदुवंशी स्कूल में यदुराइज के द्वितीय चरण का ऑफलाइन आयोजन संपन्न हुआ। इस परीक्षा में विद्यार्थियों ने भाग लिया और भारी संख्या में पहुंचकर अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास तथा रचनात्मक सोच का शानदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अभिभावकों की उपस्थिति और उनका उत्साह भी विशेष रूप से सराहनीय रहा। अभिभावकों ने विद्यालय द्वारा छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की और यदुराइज जैसी परीक्षा को विद्यार्थियों के भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। ग्रुप के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि यदुराइज के द्वितीय चरण में आप सभी की सहभागिता देखकर उसे अत्यंत गर्व की अनुभूति हो रही है। इस परीक्षा को लेने का हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों के अंदर छिपी हुई क्षमताओं को पहचानने और उन्हें निखारने का एक माध्यम है। अभिभावकों का विशेष धन्यवाद किया।

इंड्स वैली स्कूल में विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

महेंद्रगढ़। इंड्स वैली स्कूल में जूनियर व मिडिल विंग की विज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई। यह प्रतियोगिता विद्यालय के चार सदनों शहीद भगत सिंह, डॉ. राधाकृष्णन, रविन्द्रनाथ टैगोर और राव तुलाराम सदन के बीच आयोजित हुई। प्रतियोगिता में जूनियर विंग कक्षा तीसरी से पांचवीं तथा मिडिल विंग कक्षा छठी से आठवीं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। जूनियर वर्ग कक्षा तीसरी से पांचवीं में प्रथम स्थान डॉ. राधाकृष्णन सदन ने प्राप्त किया। इसमें कक्षा तीसरी से रूही, कक्षा चौथी से हर्षित तथा कक्षा पांचवीं से रेवांश ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। द्वितीय स्थान शहीद भगत सिंह सदन को मिला, जिसमें कक्षा तीसरी से साक्षी, कक्षा चौथी से विहान और कक्षा पांचवीं से अंजलि शामिल रहीं। मिडिल वर्ग कक्षा छठी से आठवीं में डॉ. राधाकृष्णन सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस सदन से कक्षा छठी से अराशु, कक्षा सातवीं से राघव शर्मा और कक्षा आठवीं से प्रियांशी ने शानदार प्रदर्शन किया।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

गांव धनौंदा स्थित ब्रिलिएंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में लीगल लिटरेसी क्लब के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रार्थना सभा में महिला एवं बाल कल्याण विभाग से पहुंचीं वरिष्ठ कार्यकर्ता सत्या देवी और कमलेश देवी ने विद्यार्थियों को बाल विवाह निषेध अधिनियम-2006 के बारे में बताया तथा सभी अध्यापकों व विद्यार्थियों को बाल विवाह रोकने की शपथ दिलाई। इस दौरान दो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रथम प्रतियोगिता में कक्षा 10वीं की टीम ब्रिलिएंट स्टार्स ने प्रथम, कक्षा 12वीं की टीम भव्या टाइटंस ने द्वितीय तथा कक्षा सातवीं की टीम महाराणा प्रताप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में बेस्ट टीम लोगो डिजाइनिंग का अवार्ड भव्या टाइटंस टीम को मिला। दूसरी प्रतियोगिता में टीम ब्रह्मास्त्र ने प्रथम, टीम डॉटर्स आफ विक्ट्री तथा टीम ब्रिलिएंट स्टार्स ने द्वितीय व टीम इंडियन वॉरियर्स तथा टीम भगतसिंह ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का बेस्ट टीम लोगो डिजाइनिंग का अवार्ड टीम ब्रह्मास्त्र को दिया गया। मंच संचालन वरिष्ठ प्राध्यापक प्रहलाद सिंह ने किया। इस अवसर पर आशुतोष शास्त्री, सत्येंद्र सिंह, नरेंद्र कौशिक, सतीश कुमार, प्रवीण शर्मा, नवीन जांगड़ा, मुकेश यादव, शीतल, रेनू यादव, पूजा, शिवानी, स्मृति, ज्योति, शन्नो देवी सहित स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। शपथ लेते हुए ब्रिलिएंट स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

संस्कृति का अनुसरण करें: डॉ. सत्यपाल

हरिभूमि न्यूज ⏭नांगल चौधरी

नांगल चौधरी के सामाजिक संगठनों ने हाइकोर्ट के एडवोकेट डॉ. सत्यपाल यादव की अगुवाई में जंतर मंतर पर बैठक का आयोजन किया। जिसमें महामंडलेश्वर आचार्य आनंद गिरी महाराज, ऋषि पुत्र सुबेसिंह, सतबीर सिंह, जितेंद्र सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने इंडिया गेट से जंतर मंतर तक रोष प्रदर्शन करके प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

जिसमें धार्मिक व जातीय तनाव को खत्म करके शास्त्रों पर आधारित संस्कृति को बढ़ावा देने की गुहार लगाई है। एडवोकेट सत्यपाल यादव ने बताया कि शास्त्र ही भारतीय संस्कृति की पहचान होते हैं, लेकिन अधिकांश लोगों को शास्त्रों का पूर्ण ज्ञान नहीं और तर्कहीन प्रचार करके समाज में धर्म, जाति व समाजिक विवादों को जन्म देते हैं।

गैंगरेप मामला डीएसपी को सौंपा

नांगल चौधरी। नांगल चौधरी के एक गांव की छात्रा के साथ हुए गैंगरेप का मामला डीएसपी को सौंपा गया है। जिन्होंने तीसरे आरोपित की गिरफ्तारी के लिए दाबिश अभियान तेज कर दिया है। साथ ही वारदात स्थल का निरीक्षण करके विभिन्न साक्ष्य जुटाए गए हैं। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। आपको बता दें कि तीन दिन पहले कॉलेज के लिए घर से निकली एक छात्रा का रास्ते में ही अपहरण कर लिया गया। जिसे निजामपुर रोड पर स्थिति धोली पहाड़ी के पास तीन युवकों ने बारी बारी से दुष्कर्म किया है। घटना को अंजाम देते समय पीड़िता को जाति सूचक गाली तथा किसी को बताने पर परिवार समेत जानलेवा धमकी दी गई। दुष्कर्म के बाद पीड़ति छात्रा को निजामपुर रोड पर एक होटल के सामने छोड़ दिया गया। यहां से घर पहुंची छात्रा ने परिजनों को पूरा वृतांत बताया है। पीड़िता के चाचा की शिकायत पर अमल करती हुई पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। तीसरे आरोपित की तलाशी के लिए डीएसपी की अगुवाई में दाबिश अभियान चलाया गया है।

नेकी की दीवार: 2 कन्याओं का किया कन्यादान

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

शहर की प्रमुख सामाजिक एवं अग्रणी संस्था नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप ने अपनी मुहिम गरीब सुकन्या विवाह के अंतर्गत जैन बेग हाउस पर कन्यादान समारोह का आयोजन किया। जिसमें मुख्य अतिथि तुलसी गोयल पूर्व कोषाध्यक्ष अग्रवाल सभा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिमांशु संघी, मनीष गोगिया ने संयुक्त रूप से की। इस अवसर पर बहनों की शादी अच्छे से हो सके, इसलिए बेटियों को 51 बर्तन सेट, मिल्टन थर्मस, मिल्टन बॉटल, लेडीज पर्स, मिल्टन कैम्पर, इलेक्ट्रिक रोड, कार्डिगन, सीनरी, 501 रुपये कन्यादान व अन्य घरेलू समान उपहार सहित दिया। कार्यक्रम संयोजक संदीप जैन ने बताया कि हमारे पास आने वाले परिवार की हर संभव मदद की जाती है। मनीष गोगिया ने बताया कि संस्था की ओर से अब तक 453 कन्यादान किए जा चुके है। उन्होंने बताया कि 18 जनवरी को संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष गोगिया के 50वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

नारनौल। कन्या की शादी में दिया सामान व ग्रुप सदस्य। फोटो : हरिभूमि

यादव सभा चुनाव मामले के समाधान के लिए बनी कमेटी

महेंद्रगढ़। शहर के चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क में रविवार को हुड्डा पार्क में यादव समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के वरिष्ठ सदस्यों व गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता सूबेदार रामस्वरूप यादव ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य यादव समाज की वर्तमान स्थिति पर चर्चा करना तथा चुनाव को लेकर उठे विवाद का समाधान करना रहा। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने समाज हित में अपने-अपने विचार रखे और संगठन को एकजुट रखने पर बल दिया। चर्चा के दौरान समाज में व्याप्त समस्याओं, युवाओं की भागीदारी, सामाजिक विकास एवं संगठनात्मक मजबूती जैसे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। सभी सदस्यों ने एकजुट होकर समाज के उत्थान के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में यादव सभा में चल रहे विवाद के समाधान के लिए 11सदस्यीय कमेटी का गठन किया, जिसमें डॉक्टर जेपी यादव को अध्यक्ष व डॉक्टर योगेन्द्र यादव को उपाध्यक्ष बनाया गया।